संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 16 सितंबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राम मंदिर की नई तस्वीरें सामने आई हैं। तस्वीर गर्भगृह के मुख्य दरवाजे की है। नीचे कमल का फूल है। बीच में सूंड उठाए हाथी और सबसे ऊपर महिला की तस्वीर है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 247 पृष्ठ: 08
RNI : UTTHIN/2009/31653
actionindiaddn@gmail.com
उत्तराखण्ड संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

फास्ट न्यूज

मणिपुर... एडिटर्स गिल्ड मेंबर्स की गिरफ्तारी 2 हफ्ते नहीं

टीम एक्शन इंडिया/इंफाल
सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के 4 मेंबर्स की गिरफ्तारी पर 2 हफ्ते तक रोक लगा दी। इस मामले में शुक्रवार 15 सितंबर को सुनवाई हुई। साथ ही कोर्ट ने शिकायतकर्ता से जानना चाहा कि एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों के खिलाफ समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का अपराध कैसे बनता है? एडिटर्स गिल्ड ने 6 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। उखकडीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है।

मणिपुर में अब तक 175 की मौत, 1108 जख्मी: मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच 3 मई से हो रही सामुदायिक हिंसा में अब तक 175 लोगों की मौत हो चुकी हैं। राज्य में 1108 घायल हैं, 32 अभी भी लापता है, जबकि 96 लावारिस लाशें शवगृह में रखी हैं। इंफाल में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आईके मुइवा ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मणिपुर के इस चुनौतीपूर्ण समय में हम नागरिकों को विश्वास दिलाते है कि पुलिस, सुरक्षा बल और राज्य सरकार 24 घंटे उनकी सुरक्षा में लगे हुए हैं।

'इंडिया' गठबंधन से डरने की जरूरत नहीं'

टीम एक्शन इंडिया/पुणे
2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा विरोधी दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया है तो हमारा संघर्ष व्यापक हो सकता है। इससे डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन लापरवाही से भी काम नहीं चलेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक में गुरुवार 14 सितंबर को भाजपा को यह दक्ष सूचना दी गई। 16 सितंबर तक चलने वाली बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक पुणे में शुरू हुई। बैठक की शुरूआत सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता की फोटो की पूजा से की। इस बैठक में संघ के 36 संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी संघ की बैठक में शामिल होने के लिए गुरुवार को पुणे पहुंचे हैं।

नूंह हिंसा: कांग्रेस एमएलए मामन खान गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को हिंसा फैलाने के आरोप में देर रात फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को गिरफ्तार कर लिया है। एमएलए मामन खान को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। खान को शुक्रवार दोपहर को एसआईटी ने कोर्ट में पेश किया। जहां से विधायक को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एमएलए मामन खान की गिरफ्तारी पर नूंह के एसपी नरेंद्र बिजारणियां ने कहा- "नूंह के बडकली चौक पर हुई हिंसक घटना में मामन खान की भूमिका मिली है। इसके साथ ही एमएलए खान दंगा फैलाने वालों के संपर्क में भी थे। 31 जुलाई को एमएलए की लोकेशन भी हिंसा वाली जगह के आसपास मिली है।" उधर, विधायक मामन खान की गिरफ्तारी के बाद नूंह जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। शनिवार रात 12 बजे तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है। शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को जुमे की नमाज भी घर पर अता करने को कहा गया है। इसके साथ विधायक के गांव भादस और आसपास के क्षेत्र को पुलिस ने पूरी तरह सील कर दिया है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। खान पर आरोप है कि वे हिंसा के दौरान दंगाइयों के संपर्क में थे। इसके अलावा उन पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट कर हिंसा भड़काने का आरोप है। नूंह जिले के नगीना थाना में मामन खान के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। जिसमें हत्या का प्रयास, लूट सहित अन्य धाराएं लगाई हैं। पुलिस ने पूछताछ के लिए मामन

खान को दो बार नोटिस जारी कर बुलाया, पर वे जांच में शामिल नहीं हुए। मामन ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर कर हिंसा मामले की निष्पक्ष जांच और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद अगली सुनवाई के लिए 19 अक्टूबर की तारीख तय की गई। नूंह हिंसा में 7 लोगों की मौत हुई थी और 100 से ज्यादा लोग जख्मी हुए थे।

दो दिन पहले मोनू मानेसर की गिरफ्तारी हुई थी: इससे पहले नूंह हिंसा के आरोपी मोनू मानेसर को मंगलवार को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। नूंह कोर्ट ने उसे राजस्थान पुलिस की कस्टडी में भेज दिया। मोनू का नाम राजस्थान के निवासी नासिर-जुनैद के हत्याकांड में भी आया था।

अभिषेक के घर पर सीएम ने दे दिए थे संकेत: मामन की गिरफ्तारी से पहले ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि खान कहीं भी चले जाएं, अगर वे आरोपी हैं तो उनके खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी। इस बयान से एक दिन पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर नूंह हिंसा में मारे गए वीएचपी कार्यकर्ता अभिषेक के परिजनों से मिलने उनके घर गए थे। परिजनों को उन्होंने भरोसा दिलाया था कि नूंह हिंसा के आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। इससे पहले सूबे के गृह मंत्री अनिल विज भी बयान दे चुके हैं कि 28, 29 और 30 जुलाई को मामन खान जिन जगहों पर गए थे, वहां हिंसा हुई थी। इसके अलावा दूसरे कई भाजपा नेता मामन खान को नूंह हिंसा का मास्टरमाइंड बता चुके हैं।

विधानसभा का बयान बना गले की फांस: विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मामन खान ने सदन में नासिर-जुनैद हत्याकांड के आरोपी मोनू मानेसर की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा विधायक सत्यप्रकाश जरावत के साथ बहस की थी। इस दौरान दोनों ही विधायकों में काफी गरमा-गरमी भी हो गई थी।

अब 'रामचरितमानस' पर बवाल

- रामचरितमानस में पोटेशियम साइनाइड: बिहार के मंत्री, मेरी जीभ की कीमत 10 करोड़ तो गले की कीमत क्या होगी, भाजपा बोली-वे खुद सामाजिक साइनाइड

टीम एक्शन इंडिया/पटना
बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री और आरजेडी के सीनियर लीडर चंद्रशेखर ने एक बार फिर रामचरितमानस पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में पोटेशियम साइनाइड है। जब तक यह पोटेशियम साइनाइड रहेगा, तब तक मैं इसका विरोध जारी रखूंगा। चंद्रशेखर पटना में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने सुंदर कांड एक दोहे का जिक्र करते हुए पूछा कि जीभ काटने की कीमत 10 करोड़ रुपए लगाई गई थी। मेरे गले की कीमत क्या होगी? उनके इस बयान के बाद बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है कि बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर खुद ही सामाजिक साइनाइड हैं। वे समाज में जहर फैलाने के लिए बेचैन हैं। प्रो. चंद्रशेखर ने कार्यक्रम के दौरान रामचरितमानस के अरण्य कांड की एक चौपाई सुनाई- पूजहि विप्र सकल गुण हीना, शूद्र न पूजहु वेद प्रवीणा। चंद्रशेखर ने कहा कि जब मैं इन सब चीजों का विरोध करता हूं तो मीडिया के लोग भी मेरे पीछे पड़ जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या गुण हीन विप्र पूजनीय हैं और गुण युक्त शूद्र वेद के जानकार होने पर भी पूजनीय नहीं हैं? हमें बताएं कि जब सब के पूर्वज चिम्पांजी थे तो ये जातियां कहां से आईं? उन्होंने कहा कि मुझे देश से बाहर जाने की बात कही जाती है। मोहन भागवत ने किसी धर्म विशेष पर टिप्पणी की तो उन्हें क्यों नहीं बाहर भेजा जाता..। इन चीजों का विरोध डॉ.राम मनोहर लोहिया और कवि नागार्जुन ने भी किया था। एकलव्य का भी अंगूठा काटा गया था। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किसी धर्म विशेष पर टिप्पणी की तो उन्हें क्यों नहीं बाहर भेजा जाता।

'चंद्रशेखर-आरजेडी खुद समाज के लिए साइनाइड'

शिक्षा मंत्री के बयान पर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है कि बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर खुद ही सामाजिक साइनाइड हैं। इतना ही नहीं वे समाज में जहर फैलाने के लिए बेचैन हैं। प्रवक्ता ने कहा कि राजद समाज के लिए साइनाइड है। चारों तरफ जातीय और धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा है। रामचरितमानस और सनातन पर आरजेडी की ओर से बयान दिया जा रहा है। इन लोगों ने कभी रामचरित मानस पूरा पढ़ा ही नहीं होगा। ये लोग सियासी फ्रॉडिज्म करके चुनावी एजेंडा बनाकर बिहार की जनता को ठगना चाहते हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू-नीतीश के कुनबे के तरफ से कहा गया कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रतीक रामचरितमानस पोटेशियम साइनाइड के समान है और साइनाइड के खाते ही लोगों की मौत हो जाती है। ये ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इन्होंने हिंदुओं को जाति में बांटकर वोट की राजनीति की है, लेकिन विपक्ष के लोग ये नहीं भूले कि देश के हिंदू जाग चुके हैं और सभी चीजों का हिसाब लेंगे। पहले स्टालिन ने सनातन को खत्म करने की बात शुरू की और अब लालू और नीतीश भी वही काम कर रहे हैं।

घमासान

मोहन भागवत ने किसी धर्म विशेष पर टिप्पणी की तो उन्हें क्यों नहीं देश से बाहर भेजा जाता: शिक्षा मंत्री

56 इंच वाले की तरह डिग्री खरीद ली गई होती: शिक्षा मंत्री ने कहा कि आप लोग जगदेव प्रसाद को गोली मारने का कारण गूगल करके पढ़िएगा। पता चला जाएगा कि मैं किन चीजों का विरोध कर रहा हूं। चंद्रशेखर ने कहा कि अगर लालू जी के राज में जंगलराज ही था तो चौकीदार यानी 56 इंच वाले की तरह उस समय भी डिग्री खरीद ली गई होती। हम सच बोलने वाले लोग हैं।

लालू प्रसाद ने यादवों, दलितों को आवाज दी तो इनके खिलाफ साजिश की गई।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित करते हुए।

सीबीएसई ने बदला 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का पैटर्न

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं की 2024 में आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा के परीक्षा पैटर्न और अंक योजना में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक, विद्यार्थियों में परीक्षा के दबाव को कम करने के लिए इस बार योग्यता आधारित प्रश्नों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

इस सत्र में 15 से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं: बोर्ड ने परीक्षा की तारीखों की जानकारी पहले ही साझा कर दी थी। इस बार बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी 2024 से सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 से शुरू होने वाली है।

पृथ्वी के इलेक्ट्रॉन चांद पर पानी बना रहे

वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-1 के डेटा स्टडी करके दावा किया, चंद्रयान-3 का लक्ष्य भी पानी खोजना

टीम एक्शन इंडिया/वॉशिंगटन
चंद्रयान-1 के डेटा की स्टडी कर रहे अमेरिका की हवाई यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट्स ने दावा किया है कि पृथ्वी के हाई एनर्जी इलेक्ट्रॉन चांद पर पानी बना रहे हैं। ये इलेक्ट्रॉन पृथ्वी की प्लाज्मा शीट में हैं, जो मौसमी प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार है, यानी इनके होने से ही पृथ्वी के मौसम में बदलाव होता है। साइंटिस्ट्स का दावा है कि ये इलेक्ट्रॉन चांद पर मौजूद चट्टानों और खनिजों को तोड़ या घोल रहे हैं। इससे चांद के मौसम में भी बदलाव आ रहा है। 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' जर्नल में पब्लिश स्टडी में कहा गया कि इन इलेक्ट्रॉन्स ने चांद पर पानी बनाने में मदद की होगी। इसके पहले 2008 में लॉन्चिंग के बाद चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था। उस मिशन की एक रिसर्च के आधार पर चांद पर बर्फ होने का दावा किया गया था। इसके बाद साइंटिस्ट्स ने अनुमान लगाया कि चांद के पोलर रीजन में सूरज की रोशनी नहीं पहुंचने से वहां का तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से

दावा

2008 में लॉन्चिंग के बाद चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था

नीचे हो सकता है, जो बर्फ के फॉर्म में पानी की मौजूदगी की ओर इशारा करता है। इसलिए पानी की खोज के लिए 14 जुलाई 2023 को चंद्रयान-3 लॉन्च किया गया।

चांद पर पानी कैसे बन रहा: स्टडी के मुताबिक, प्रोटॉन जैसे हाई एनर्जी पार्टिकल्स से बनी सोलर विंड चंद्रमा की सतह पर बिखर जाती है, इस वजह से चंद्रमा पर पानी बन जाता है।

हिमाचल सीएम ने पेश की मिसाल

टीम एक्शन इंडिया/शिमला
हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने आपदा में मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री ने अपने निजी खाते से 51 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष-2023 में दान की है। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी कमलेश ठाकुर के साथ मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को यह चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जब छोटे-छोटे बच्चे अपने गुल्लक से राहत राशि में पैसा दे सकते हैं, तो वह अपनी जमा नकदी क्यों नहीं दे सकते। प्रदेश को इस वक्त सबकी मदद की जरूरत है। इसे देखते हुए उन्होंने अपने खाते में जमा राशि आपदा राहत कोष में देने का निर्णय लिया है। इससे पहले भी मुख्यमंत्री सुक्खू इस तरह से मदद करते रहे हैं।

दान की

मुख्यमंत्री ने अपने निजी खाते से 51 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष-2023 में दान की

अनंतनाग में चार दिन से एनकाउंटर, एक और जवान शहीद

टीम एक्शन इंडिया/अनंतनाग
कश्मीर में अनंतनाग के गडूल कोकेरनाग में चौथे दिन शुक्रवार को भी आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। गुरुवार को आतंकियों की गोली लगने से एक जवान घायल हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घायल जवान की मौत हो गई है। सुरक्षा बल उस जगह की ओर गोलीबारी और धमाके कर रहे हैं जहां माना जा रहा है कि आतंकवादी छिपे हो सकते हैं। दो से तीन आतंकी राजौरी तक फैले पीर पंजाल के घने जंगल में छिपे हैं। इनमें एक लश्कर-ए-तैय्यबा

का कमांडर उजैर खान है। इन्हीं आतंकियों के हमले में बुधवार को सेना के कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमांयू भट शहीद हुए थे। सेना के कमांडोज, स्निफर डॉग्स, ड्रोन, हेलिकॉप्टर आतंकियों को खोज रहे हैं। राकेट लॉन्चर का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। सैन्य अफसरों का कहना है कि आतंकियों को 4 किमी के दायरे में घेर लिया गया है। इन्हें कभी भी ढेर कर दिया जाएगा। ड्रोन से बमबारी की जा रही है। आतंकियों ने मंगलवार को उस वक्त हमला किया था, जब सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस तलाशी अभियान चला रही थी।

मुठभेड़

आतंकियों की तलाश में घेराबंदी, ड्रोन, राकेट लॉन्चर से की जा रही बमबारी, पीर पंजाल के घने जंगल में छिपे

पहल उपभोक्ताओं को कार्यालय में आए बिना आईपीपी द्वारा ऑनलाइन चालान जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा

सीएम सुक्खू ने एकीकृत बिजली उपभोक्ता पोर्टल का किया शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया/शिमला /चमन शर्मा
मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिवस को अभियंता दिवस के अवसर पर शिमला में हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड एचपीएसईबीएल के एकीकृत बिजली उपभोक्ता पोर्टल का शुभारंभ किया।इस पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ताओं को अब अपने बिजली बिलों का भुगतान करने के लिए लम्बी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा, बल्कि वे घर बैठे ही आसानी से बिलों का भुगतान कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अब नए

बिजली कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और इस पोर्टल के माध्यम से अपने आवेदन की प्रगति की भी निगरानी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पोर्टल पर एचपीएसईबीएल द्वारा दी जाने वाली नाम परिवर्तन और लोड समायोजन आदि विभिन्न सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इस डिजिटल पहल का उद्देश्य बिजली बोर्ड में कागज रहित कार्य संस्कृति की शुरूआत करना हैए जिससे प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित होंगी और सेवाओं में तेजी आएगी। ुख्यमंत्री ने कहा कि यह पोर्टल ऊर्जा क्षेत्र में उपभोक्ता सुविधा बढ़ाने और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है जिससे उपभोक्ताओं को अधिक कुशल और सुलभ सेवाएं प्राप्त होंगी। इसके अलावा पोर्टल पर ऊर्जा उत्पादन डेटा उपलब्ध होगा और यह उपभोक्ताओं को कार्यालय में आए बिना आईपीपी द्वारा ऑनलाइन चालान जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में अभियंताओं के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हाल ही में भारी वर्षा के कारण आई आपदा ने राज्य के बुनियादी ढांचे को बुरी तरह से प्रभावित किया है।

घर बैठे सेवाएं

बिलों के भुगतान, नए कनेक्शन, लोड समायोजन जैसी सुविधाएं ऑनलाइन होंगी उपलब्ध

केरल में निपाह का एक और केस मिला

टीम एक्शन इंडिया/कोझिकोड
केरल में निपाह वायरस का एक और केस सामने आया है। कोझिकोड में 39 साल का व्यक्ति वायरस से संक्रमित पाया गया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक एक्टिव केस बढ़कर 4 हो गए हैं। केरल में अब तक निपाह के कुल 6 केस आ चुके हैं, जिसमें 2 लोगों की मौत हो चुकी है। केरल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मरने वाले व्यक्ति को अभी कोझिकोड के अस्पताल में निगरानी में रखा गया है। राज्य सरकार ने संक्रमण फैलने से रोकने के लिए तैयारियां मजबूत कर ली हैं। कोझिकोड में संक्रमण मिलने वाली ग्राम पंचायतों को क्वारंटीन जोन

घोषित कर दिया गया है।

हाई रिस्क कैटेगरी में 213 लोग: मरने वाले व्यक्तियों के संपर्क में आए हाई रिस्क वाले 15 लोगों के सैम्पल ले लिए गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार संक्रमित लोगों की कॉन्टैक्ट लिस्ट में 950 लोग शामिल हैं। इनमें से 213 लोग हाई रिस्क कैटेगरी के हैं। कॉन्टैक्ट लिस्ट में 287 स्वास्थ्य अधिकारी भी शामिल हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने पुणे में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान का दौरा किया। उन्होंने निपाह वायरस को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वायरस से निपटने में राज्य की मदद करने के लिए डॉ. माला छाबड़ा की अगुआई मे एक टीम नियुक्त की है। केंद्र और ने ग्राउंड टेस्टिंग के लिए एक हाई लेवल टीम को कोझिकोड भेजा है। यह टीम बायोसेफ्टी लेवल 3 वाली मोबाइल यूनिट के साथ भेजी गई है।

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हो रहा प्रदेश का समग्र विकासः वीरेंद्र बिष्ट

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता वीरेंद्र बिष्ट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के समग्र विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री धामी के द्वारा राज्य के नौजवानों को रोजगार देने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि बिष्ट ने कहा कि बागेश्वर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार की जीत से यह साबित होता है कि भाजपा व मुख्यमंत्री धामी के प्रति जनता का विश्वास और

मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने पुलिस प्रशासन को जनता की जवाबदेही के प्रति संवेदनशील बनाया है। जिला स्तर पर कोई भी सरकारी कार्य लंबित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर माह में राज्य में इन्वेस्टर समिट होने वाला है, उसके लिए मुख्यमंत्री ने दिल्ली में उद्योगपतियों को उत्तराखंड आने के लिए आमंत्रित करने का प्रयास प्रारंभ कर दिया है।

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा ने उत्तराखंड में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा मनाने का निश्चय किया है। अभी वर्तमान में मेरी माटी मेरा देश एक कार्यक्रम चल रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनप्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता घर-घर जाकर उनके आंगन व खेत से मिट्टी एकत्र कर और प्रत्येक गांव में कम से कम 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका की स्थापना करने का कार्य सुनिश्चित करेंगे। गांव में पंचप्राण की प्रतिज्ञा करवाना यह इस कार्यक्रम के अंतर्गत किया जाना है। उन्होंने बताया कि 16 सितंबर को मुख्यमंत्री धामी के जन्मदिवस कार्यक्रम को प्रत्येक जनपद स्तर पर कार्यकर्ता युवा संकल्प यात्रा रैली निकालकर मनाएंगे।

उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन में किए गए कार्यों पर जिला स्तर पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। फल वितरण, मिष्ठान वितरण, विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम के साथ एक बड़ा कार्यक्रम देहरादून में हस्तकला से जुड़े हुए लोगों का होने वाला है। इसी तरह 18 सितंबर को युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविर का कार्यक्रम किया जाएगा और पहाड़ी जनपदों में जनपद स्तर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

हरिद्वार आ रही नेपाल मैत्री बस कोटावाली नदी में फंसी, यात्रियों को किया गया रेस्क्यू

सकुशल रेस्क्यू

उत्तर प्रदेश पुलिस, श्यामपुर पुलिस और एसडीआरएफ ने यात्रियों को सकुशल रेस्क्यू किया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

यात्रियों से भरी नेपाल मैत्री बस शुक्रवार सुबह करीब छह बजे चिड़ियापुर बॉर्डर के पास कोटावाली नदी में फंस गई। देरात से हो रही बारिश के कारण अचानक नदी उफान पर आ गई और बस बहने लगी। गनीमत रही कि बस सड़क के किनारे फंस कर रुक गई। अगर बस पलट जाती तो बडा हादसा हो सकता था। सूचना पाकर यूपी पुलिस, उत्तराखंड पुलिस और एसडीआरएफ की टीम

पहुंची और यात्रियों का रेस्क्यू किया।

अधिकारियों ने बताया कि यह बस नेपाल से हरिद्वार आ रही थी। नदी के बीच में बस फंसने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। उत्तर प्रदेश पुलिस, श्यामपुर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मशक्कत के बाद यात्रियों को सकुशल रेस्क्यू किया। इसके बाद जेसीबी और क्रेन की मदद से बस को निकाला गया।

चोरी के समान के साथ चोर गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

घर के बाहर खड़े छोटा हाथी वाहन से सामान चोरी करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए चोरी का सामान बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपित का चालान कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक 14 सितम्बर को कुशलपाल पुत्र रतिराम निवासी ग्राम सलेमपुर हरिद्वार के घर के बाहर खड़े छोटा हाथी वाहन में रखा सामान कटर मशीन, हथौड़ी, एक तार का बंडल चोरी कर लिया गया था। इस संबंध में कुशलपाल ने रानीपुर कोतवाली में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपित को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी का माल बरामद कर लिया।

सोशल मीडिया पर कांग्रेस की नीतियों का करें प्रचारः मनोज सैनी

आरोप

भाजपा देश में झूठ फैलाती है, जिसका हमें सोशल मीडिया पर मुहतोड़ जवाब देना होगा।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

आगामी लोकसभा व नगर निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए आर्य नगर ब्लॉक में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की एक बैठक रानीपुर मोड़ स्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता अश्वनी कौशिक के कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक की

अध्यक्षता पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष विमला पांडेय ने की। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज सैनी ने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन को धरातल पर मजबूत करने के साथ-साथ कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता को आगामी चुनाव के लिए सोशल मीडिया पर कांग्रेस की रीतियों व नीतियों का प्रचार प्रसार कर भाजपा के झूठ को बेनकाब करना है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अपने प्रचार माध्यमों से देश में झूठ फैलाती है, जिसका हमें सोशल मीडिया पर मुहतोड़ जवाब देना होगा।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष कैश खुराना में कहा कि हमें एक होकर कांग्रेस व राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करना है। कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अश्वनी कौशिक ने कहा कि आगामी दिनों में बड़े स्तर पर सेवादल का एक कार्यक्रम किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस के इतिहास और देश के प्रति कांग्रेस के योगदान को अवगत कराया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता कर रही विमला पांडेय में कहा कि नेता वही है जो जमीनी हो, चापलूसी करने वाले नेता नहीं होते हैं। संगठन की मजबूती के लिए मैं हर उस कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ खड़ी हूं, जो कांग्रेस को मजबूत कर रहे हैं। बैठक के अंत में आर्यनगर ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा ने बैठक में उपस्थित सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि आगामी बैठक में सभी सदस्य अपने-अपने वार्डों से 11 पुरुष और 11 सक्रिय महिलाओं की सूची अवश्य साथ लाएं, जिससे संगठन की आगामी रूपरेखा तैयार की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

त्रिस्तरीय पंचायतों के रिक्त पदों पर उप चुनाव की तिथि घोषित

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी चमोली हिमांशु खुराना के निर्देशन में जनपद की त्रिस्तरीय पंचायतों के सदस्य ग्राम पंचायत एवं प्रधान ग्राम पंचायत के रिक्त पदों पर उप निर्वाचन संपन्न कराएं जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इन पदों के लिए 20 और 21 सितम्बर को नामांकन, 22 को नामांकन पत्रों की जांच, 23 को अपराह्न तीन बजे तक नाम वापसी तथा 24 सितम्बर को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। मतदान पांच अक्टूबर को प्रातः आठ बजे से पांच बजे तक तथा मतगणना सात अक्टूबर को की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों के क्रम में संबंधित प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार से मतगणना की समाप्ति तक आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी।

सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा

प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा पखवाड़ा तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस को युवा संकल्प दिवस के रूप में मनाने जा रही है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंथोला ने शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी। इसमें भाजपा रक्तदान शिविरों का भी आयोजन करेगी। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर भी प्रदेशव्यापी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयुष्मान भवः कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गांव में जाकर आयुष्मान कार्ड बनवाए जाने का काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा का महासंपर्क अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कैंथोला ने बताया कि इसी तरह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस को युवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आगामी होने वाले चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है।

श्रेया के सिर-नाक पर हथौड़े से किए गए दस वार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आई बेरहमी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

श्रेया की हत्या आरोपी ने बड़ी बेरहमी से की थी। हत्यारोपी ने श्रेया के सिर और नाक पर हथौड़े से दस वार किए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। उधर, शुक्रवार को श्रेया के परिजन नेपाल से देहरादून पहुंच सकते हैं। इसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। गौरतलब है कि रविवार सुबह थानो रोड से सटे सिलवारगढ़ के रास्ते पर कच्चे नाले में एक युवती का अर्धनग्न अवस्था में शव पड़ा मिला था। पुलिस ने वहां आने जाने वाले वाहनों की सीसीटीवी फुटेज चेक की।

इसमें एक कार का नंबर मिला तो पुलिस ने पाया कि यह नंबर पंडितवाड़ी निवासी लेफ्टिनेंट कर्नल रामेंदु उपाध्याय के नाम पर थी। पुलिस ने प्राथमिक पड़ताल के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पता चला कि रामेंदू इस युवती के संपर्क में 2020 में सिलीगुड़ी पोस्टिंग के दौरान आया था। श्रेया नाम की यह युवती मूल रूप से नेपाल की रहने वाली थी। उपाध्याय की पोस्टिंग जब देहरादून हो गई तो उसने श्रेया को भी यहीं बुला लिया। अब श्रेया उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी।

अशोक चड्ढा मर्डर केस में 4 आरोपित गिरफ्तार, 2 फरार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

कनखल के बैरागी कैंप में रिटायर्ड सिंचाई कर्मचारी की गला रेतकर हत्या के मामला का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के मामले में 4 आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपित अभी भी फरार हैं। पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया है। 11 सितम्बर की देर शाम कनखल के बैरागी कैंप में रिटायर्ड सिंचाई कर्मचारी अशोक चड्ढा की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस को शुरूआती जांच में सेवाश्रम में केयर टेकर नियुक्त नरेन्द्र शक के घेरे में था, लेकिन पुलिस की जांच में हत्यारे सेवाश्रम के किराएदार और उनके साथी निकले।रोशनाबाद कार्यालय में मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि सेवाश्रम से बाहर निकाले गए किराएदार भानू और संदीप अक्सर मृतक के कमरे में झाड़ू-पोछा किया करते थे। इस दौरान कमरे में टांगी गई चाबियों के छल्ले, बिस्तर के नीचे रखे कागजात और बच्चों के अच्छे रोजगार में लगे होने के चलते आरोपितों को मृतक के कमरे में मोटी रकम होने का अंदाजा था, जिसके चलते लूट की वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया गया।

उन्होंने बताया कि सेवाश्रम से बाहर निकाले गए किराएदारों को नशा करने की आदत होने के चलते शाम को सभी एक साथ मिले, जहां नशा करने के दौरान कुछ साथी और मिले। इस दौरान लूट का प्लान बनाया। आरोपितों ने बाहर से नकली नोट मंगाकर उनकी काट-छांट करने और तैयार नकली नोटों के असली नोटों की गड्डियों के बीच रखकर नशा सामग्री खरीदने की बात भी सामने आयी है, जिस सम्बन्ध में जांच जारी है। एसएसपी ने बताया कि मिले सुराग के आधार पर पुलिस टीम ने 3500 से अधिक ई-रिक्शा को चेक करने के पश्चात पूरी वारदात का खुलासा करते हुए हत्या, लूट में शामिल 04 अभियुक्तों को दबोचने में सफलता हासिल की। टीम ने अभियुक्तों की निशानदेही पर श्रीयंत्र पुल के नजदीक से घटना में प्रयुक्त पाटल, मृतक के खून से सने आरोपितों के कपड़े व लूट के दौरान मृतक के कुर्ते से निकाले गए 7000 रु बरामद किए। प्रकरण में शामिल 02 अन्य आरोपित फरार चल रहे हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

महिला की फर्जी आईडी बनाकर की अश्लील पोस्ट

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

एक युवक ने महिला को फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील वीडियो पोस्ट कर रहा। महिला ने विरोध किया तो युवक अभद्रता कर रहा है। महिला की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है।

रुड़की सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि उसने फेसबुक पर आईडी बना रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक परिचित युवक उसके नाम और फोटो लगाकर फर्जी आईडी से उनके परिचितों को अश्लील मैसेज कर रहा है। साथ ही अश्लील वीडियो और फोटो भी पोस्ट कर रहा है। विरोध करने पर युवक अभद्रता कर रहा है।

देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 22 से

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

इस साल आठवें देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज यहां 22 सितंबर से होगा। इसका समापन 24 सितंबर को होगा। फेस्टिवल के आयोजक राजेश शर्मा ने यह जानकारी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि सिल्वर सिटी राजपुर रोड एवं तुलास इंस्टीट्यूट में आयोजित होने वाले फेस्टिवल में उत्तराखंड टैलेंट हंट एवं आगन बाजार एग्जिबिशन का आयोजन भी होगा।

फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता विनय पाठक, रजित कपूर, वरुण बडोला, प्रदीप सिंह रावत, मोहन कपूर, मनीष वाधवा, मशहूर अभिनेत्री दीप्ति नवल, हिमानी

शिवपुरी, चित्रांशी रावत एवं पूषण कृपलानी मौजूद रहेंगे। शर्मा ने बताया कि इसमें दो ग्रुप रखे गए हैं। आठ से 15 साल और 16 साल से ऊपर। इसमें प्रतिभागी डांस, एक्टिंग पोएट्री, मिमिक्री और सिंगिंग आदि का प्रदर्शन करेंगे।

विजेताओं को देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आगामी प्रोजेक्ट में भी मौका दिया जाएगा। पहले दिन नेत्रहीनों के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। इसके तहत इश्यम-2 दिखाई जाएगी।

दोस्त ही निकला हत्यारा, पत्थर से सिर कुचल की थी हत्या

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में आर्यनगर चौक के समीप मिले अज्ञात व्यक्ति के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अज्ञात व्यक्ति की हत्या की गई थी। हत्या किसी और ने नहीं बल्कि मृतक के दोस्त ने ही की थी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि 11 सितम्बर की सुबह ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित आर्य नगर चौक के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण वाहन दुर्घटना से लग रहा था। पुलिस के काफी प्रयास के बाद मृतक की शिनाख्त जयदेव

निवासी पं बंगाल के रूप में हुई, जो काफी समय से ज्वालापुर क्षेत्र में रहकर मजदूरी का कार्य कर रहा था। इस मामले में 14 सितम्बर को राजेश खंडूजा पुत्र आरडी खंडूजा निवासी आर्य नगर चौक, ज्वालापुर ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। एसएसपी ने बताया कि हत्या की संभावना को देखते हुए रेल चौकी प्रभारी विकास रावत के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए। इस दौरान संदिग्धों से पूछताछ की गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपित को रेलवे स्टेशन ज्वालापुर से दबोचा लिया।

पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपित ने अपना नाम मोहन पुत्र शिव जी बैठा निवासी भवानीपुर थाना संग्रामपुर मोतिहारी जिला बिहार बताया। उसने बताया कि वह मृतक का दोस्त है और उसके साथ काफी वर्षों से मजदूरी कर रहा था। नशा करने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद होने पर उसने पत्थर से सिर कुचलकर जयदेव की हत्या कर दी और गिरफ्तारी के डर से जिले से बाहर भागने की जुगत में रेलवे स्टेशन पहुंच गया।

सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

नैनीताल के पास स्थित सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। यहां हिंदी दिवस पर वरिष्ठ वर्ग की वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्र प्रियांशु कुनियाल प्रथम, छात्र शाश्वत राय एवं लक्ष्य प्रताप सिंह संयुक्त रूप से द्वितीय एवं छात्र कुशाग्र गंगवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। इनमें 1 सितंबर को कनिष्ठ वर्ग की वाद-विवाद प्रतियोगिता, 4 सितंबर को श्रुत लेखन प्रतियोगिता, 8 सितंबर को कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के लिए निबंध प्रतियोगिता, 12

सितंबर को कक्षा 6 के लिए श्रुतलेख एवं सुलेख प्रतियोगिता, 13 सितंबर को गद्य वाचन एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं विद्यालय के कला शिक्षक डी. पी. नायक के निर्देशन में कक्षा स्तरीय भाव-चित्र एवं भित्ति-पत्रिका प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। संपूर्ण प्रतियोगिताओं के अंकों के आधार पर सदन स्तर पर प्रथम स्थान के साथ चल वैजयंती प्राप्त की केसरी सदन ने, द्वितीय स्थान मिला कुमाऊं सदन को एवं तृतीय स्थान मिला शिवालिक सदन को। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

शुक्रवार को आईएमए के जनसम्पर्क अधिकारी रक्षा ले. कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि कैंटोनमेंट बोर्ड, नैनीताल द्वारा संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित नुक्कड़ नाटक में सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के छात्रों का प्रदर्शन शानदार था। इसके लिए, कैडेट नाइशा डंगवाल, पर्णिका सिंह, निकुंज, पार्थ तोमर आदि को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि गीतिका जोशी ने अपने व्याख्यान में सभी विजेताओं के कठोर परिश्रम को सराहा। उन्होंने विद्यालय के छात्रों से आग्रह किया कि जीवन में दान करना है तो शिक्षा का दान कीजिए। हमें समाज में समानता स्थापित करने के लिए आर्थिक रूप से विभिन्न लोगों को कपड़े-रुपये देकर उनकी सहायता मात्र नहीं करनी है वरन उनको अपने बराबर लाने के लिए उन्हें शिक्षित भी करना है। वास्तव में सही मायनों में लोकतंत्र को स्थापित करने में शिक्षा की ही भूमिका होती है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्वेता डंगवाल, निर्णायक मंडल के रूप में सेंट मेरीस, नैनीताल से सेवानिवृत्त हिंदी अध्यापिका आशा कांडपाल, रेनू अरोरा, पार्वती जोशी उपस्थित थीं।

तीस दिवसीय सॉलिड वर्क्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

गुरुकुल कांगड़ी विश्व विद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए, समर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को कैड प्लानेट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट हरिद्वार के माध्यम से 30 दिवसीय सॉलिड वर्क्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रो. विपुल शर्मा ने छात्रों को इंजीनियरिंग में पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के महत्व को भी बताया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव लांबा ने छात्रों को भविष्य में सॉलिड वर्क ट्रेनिंग से औद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले लाभ के बारे में समझाया।

G20
उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई-निविदा सूचना
मंडल अभियंता सम्वार, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 06.10.2023 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

निविदा संख्या और कार्य का विवरणः (1.) 133rt2-sig-ant-mb-2018-19- प्रोविजन ऑफ डयूल डिटेक्शन इन मुरादाबाद– लखनऊ सेक्शन (2.) 02-SNT-SIG-HRI-UTA-Umbrel- प्रोविजन ऑफ गेट सिग्नल इन लाइन नंबर 10 एंड 11 एट हरदोई एंड पेंस ऑफ ट्रैक सर्किट इन अप लाइन फॉर ओपनिंग ऑफ L-XING नंबर 250 एट उमरताली (3.) 10-Kyosan-AMC-Sig-MB-23-कॉम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ EI ऑफ क्योसान मेक फॉर थ्री ईयर ओवर मुरादाबाद डिवीजन			
लगभग लागत (₹)	1. ₹30,63,201.42	2. ₹58,11,248.26	3. ₹2,30,21,044.74
अग्रिम धन (₹)	1. ₹61,300/-	2. ₹1,16,200/-	3. ₹2,65,100/-
निविदा फॉर्म की लागत (₹)	क्र.सं. 1 से 3 के लिए: NIL		
निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय	क्र.सं. 1 से 3 के लिए: 11.10.2023 at 15:00 hrs.		

नोटः निविदा का पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है
निविदा सं.: 133RT2/02/10-kyosan/SNT/Sig/AMC/MB-2023 दिनांकः 14.09.2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2871/2023

चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य प्रणाली होगी मजबूत: मंत्री धन सिंह रावत

ज्ञापन

▶▶ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
चार धाम यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग एवं विश फाउण्डेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इस अनुबंध के अनुसार चार धाम यात्रा में आने वाले यात्रियों को आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल संसाधनों का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार को लेकर लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग और विश फाउंडेशन के मध्य राज्य में स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत एवं गुणवत्ता प्रदान करने के उद्देश्य से

एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं।
इस अनुबंध के अनुसार नवीन मॉडलों का उपयोग करत हुए सुलभ प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली विकसित कर चार धाम यात्रा में आने वाले यात्रियों एवं आस-पास के लोगों को आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल संसाधनों के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अलावा चार धाम यात्रा में तैनात चिकित्सकों, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टॉफ को आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा। चार यात्रा काल के लिएये सम्बंधित संस्था विभागीय अधिकारियों से विचार-विमर्श कर विस्तृत रोड मैप तैयार करेगी, जिसकी आगामी चार धाम यात्रा में लागू किया जायेगा।
द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. विनीता शाह एवं विश फाउण्डेशन के सीईओ पूर्व आईएएस डॉ. राकेश कुमार ने हस्ताक्षर किये हैं।
इस मौके पर पूर्व आईएएस भास्कर खुल्बे, अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर, निदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुनीता टम्टा, डॉ. तुहिन कुमार तथा विश फाउण्डेशन के डॉ. विवेक यादव, मिल्टन नायक सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री को लिखा पत्र

जोशी ने कहा

▶▶ उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आपदा के समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास विहीन पात्र परिवारों को आवासीय सुविधा दिलाने के संबंध में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह को पत्र लिखा है। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने पत्र के माध्यम से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि आवास प्लस सर्वे डाटा में पंजीकृत 6728 पात्र परिवारों के डाटा में त्रुटि के कारण 795 परिवारों के

पास मोटरसाइकिल, 231 परिवारों के पास रेफ्रीजरेटर, 3173 परिवारों के पास लैण्डलाइन फोन एवं 2529 परिवारों के पास स्वयं का अन्य मकान प्रदर्शित होने से उक्त परिवार आवास सॉफ्ट की ऑटो स्क्रूटनी प्रक्रिया में आवास प्लस स्थाई प्रतीक्षा सूची से बाहर हो गये हैं। जबकि वास्तव में उक्त 6728 परिवार योजना के मानकों के अनुसार पात्रता की श्रेणी में आते हैं। मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से अनुरोध किया है कि उक्त 6728 परिवारों को आवास प्लस स्थाई प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित कराने के संबंधित को निर्देशित किया जाए। इससे उक्त आवास विहीन पात्र परिवारों को आवासीय सुविधा का लाभ मिल सके।मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आवास विहीन परिवारों को दैवीय आपदा के समय अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
जिसको ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अन्तर्गत राज्य को शत-प्रतिशत आवास आवंटन का लक्ष्य प्रदान किया गया है। उन्होंने इसके लिए केन्द्र सरकार का धन्यवाद किया।

संक्षिप्त खबरें

टीसीएस और कर्नाटक सरकार ने टीसीएस रूरल आईटी क्विज 2023 की घोषणा की

हरिद्वार। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (बीएसई: 532540, एनएसई: टीसीएस) और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और सायंस एंड टेक्नॉलॉजी डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि टीसीएस रूरल आईटी क्विज के 24 वें संस्करण में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन्स शुरू हो चुके हैं। बेंगलुरु टेक समिट 2023 के एक हिस्से के रूप में इस क्विज का आयोजन किया जाएगा। इस क्विज में ऑनलाइन टेस्ट्स, और वर्चुअल और फिजिकल क्विज शोज भी होंगे। छोटे शहरों और जिलों के आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों को इसमें हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा दिया जाता है। शहर निगम की सीमाओं के भीतर के स्कूलों के छात्र इसमें हिस्सा नहीं ले सकते। इस क्विज में विभिन्न क्षेत्रों और पहलुओं में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिनमें प्रौद्योगिकी पर्यावरण, कारोबार, लोग, नए रुझान शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को आईटी ने प्रभावित किया है उन्हें भी क्विज में शामिल किया जाता है, जैसे कि, बैंकिंग, शिक्षा, मनोरंजन, किताबें, मल्टीमीडिया, संगीत, मूवीज, इंटरनेट, एडवरटाइजिंग, खेल, गेमिंग, सोशल नेटवर्किंग और मोबाइल्स की दुनिया। टीसीएस रूरल आईटी क्विज में भारत भर में आठ रीजनल फाइनल्स होंगे। हर रीजनल फाइनल के भाग्यशाली विजेता को बेंगलुरु में नवंबर में होने जा रहे नेशनल फाइनल्स के लिए आमंत्रित किया जाएगा। सभी रीजनल विजेताओं को 10,000 रुपयों के और उपविजेताओं को 7000 रुपयों के गिफ्ट वाउचर्स से पुरस्कृत किया जाएगा। टीसीएस रूरल आईटी क्विज के भाग्यशाली राष्ट्रीय विजेता को 1,00,000 रुपयों की टीसीएस एजुकेशन स्कॉलरशिप और राष्ट्रीय उपविजेता को 50,000 रुपयों की स्कॉलरशिप से सम्मानित किया जाएगा। सभी रीजनल और राष्ट्रीय विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा। 21 सितंबर 2023 के पहले छात्रों को पंजीकरण करना होगा।

डीआईटी यूनिवर्सिटी में रक्तदान शिविर आयोजित

देहरादून। देहरादून के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान डीआईटी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का सफल रक्तदान किया गया। छात्रों ने 150 यूनिट रक्तदान किया। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं देवभूमि विकास संस्थान के आह्वान पर डेंगू महामारी से लड़ने को छात्रों और शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। शिविर का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, सीएमआई अस्पताल के निदेशक डॉक्टर आर के जैन, वीसी- डीआईटी डॉ .जी. रघुराम, रजिस्ट्रार डॉ. सैमुअल, डीन अल्यूमिनी डॉ.नवीन सिंघल , डॉ.जबरिंदर सिंह, सौरभ मिश्रा, मंजुला खुल्बे, अग्रणी रक्तदाता एवं अनिल वर्मा की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन से हुआ। शिविर में विशेषकर छात्राओं ने विशेष उत्साह दिखाया। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर उत्साहित किया। शिविर में नर्सिंग, पैरामेडिकल की छात्राओं के साथ एक सत्र का आयोजन भी किया गया। इसमें ब्ड्प अस्पताल के निदेशक डॉ.आर के जैन ने बताया कि कैसे अपना आहार और दिनचर्या संतुलित रखते हुए छात्राएं अपना हीमोग्लोबिन बढ़ा सकती हैं । जीवन में सफल हो सकती हैं। शिविर के मुख्य अतिथि त्रिवेंद्र सिंह रावत ने छात्रों से कहा कि आप ही आने वाला भारत हैं। आपको स्वयं स्वस्थ रहते हुए समाज को भी स्वस्थ रखना है। त्रिवेंद्र ने आह्वान किया कि ॥डेंगू महामारी में खून की कमी से एक भी मौत न हो, इसके लिए समाज को भी आगे आना चाहिए। कोरोना काल में प्रधानमंत्री के आह्वान पर सारे भारत ने साथ मिलकर देश और समाज को बचाया था। ये हम सबका सामाजिक दायित्व है। त्रिवेंद्र ने कहा कि ॥रक्तदान, वृक्षारोपण के साथ साथ नेत्रदान अंगदान और देहदान भी आज समाज की आवश्यकता हैं। इसके लिए भी युवाओं को लीक तोड़कर आगे आना चाहिए। अंतत: शरीर ने मिट्टी में ही मिलना ही है तो क्यूं न मरणोपरांत शरीर का उपयोग दूसरों को जीवन देने के लिए हो।

उत्तराखंड में 1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी महिंद्रा हॉलिडेज

देहरादून। फ्लैगशिप ब्रांड क्लब महिंद्रा के तहत भारत की अग्रणी वैकेशन ओनरशिप और लेजर हॉस्पिटालिटी कंपनी महिंद्रा हॉलीडेज एंड रिसॉर्ट्स (एमएचआरआईएल) ने उत्तराखंड में अगले कुछ वर्षों में 1000 करोड़ रुपये का निवेश करने और 4-5 बड़े मार्की रिसॉर्ट निर्माण के लिए आज उत्तराखंड सरकार (यूके) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। महिंद्रा हॉलीडेज का लक्ष्य राज्य का रणनीतिक भागीदार बनना है और इन रिसॉर्ट्स के विकास के माध्यम से यूके सरकार को उसके सभी पर्यटन प्रयासों में समर्थन देगा, ताकि प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान करने सहित राज्य की समृद्धि बढ़ाने में अपनी भूमिका निभा सके। यह देश के किसी भी राज्य में एमएचआरआईएल द्वारा किया गया सबसे बड़ा निवेश होगा और 2030 तक 5000 से 10,000 तक विस्तार की इसकी मजबूत योजनाओं का हिस्सा होगा और यह देवभूमि-उत्तराखंड और इसके पर्यटन स्थलों और अनुभवों की विविधता का एक प्रमाण है। इनमें से कुछ प्रमुख नाम हैं जिसमें चाहे वह हरिद्वार और चार धामों में धार्मिक पर्यटन हो, राजाजी और कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यानों में वन्यजीवन हो, औली में स्की पर्यटन हो, ऋषिकेश में साहसिक पर्यटन हो। उत्तराखंड में देश भर के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को आकर्षित करने वाले अद्भुत स्थल हैं और एमएचआरआईएल का लक्ष्य इसका फायदा उठाना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह निवेश उत्तराखंड में अपने फुटप्रिंट को दोगुना से अधिक कर देगा।

भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रदेश में बीती रात मूसलाधार बारिश हुई। पूरी रात बारिश चलती रही। ऐसे में एक बार फिर मौसम विभाग ने 19 सितम्बर तक पूरे प्रदेश में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार ऊधमसिंहनगर और हरिद्वार में 18-19 सितम्बर को मौसम सामान्य रहेगा। शेष पूरे प्रदेश में भारी बारिश का क्रम जारी रहेगा।
मौसम विभाग के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने सलाह दी है कि छोटी नदी-नालों के समीप रहने वाले लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वह आकाशीय बिजली गिरने के समय पेड़ों के नीचे शरण न लें, इससे क्षति होने की संभावना रहती है।

सांसद साक्षी महाराज ने आईएनडीआईए गठबंधन पर बोला हमला

बयानबाजी

▶▶ सनातन को मिटाने वाला आज तक कोई पैदा नहीं हुआ है: भाजपा के फायर ब्रांड सांसद साक्षी महाराज

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया/टीम एक्शन इंडिया
भाजपा के फायर ब्रांड सांसद साक्षी महाराज ने आईएनडीआईए गठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जबसे देश के प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बने हैं, तभी से विपक्षियों में खलबली मची है।

वह भाजपा के सभी नेताओं क गालियां देने के बाद अब भारतीय सनातन संस्कृति को भी समाप्त करने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति को समाप्त करने के लिए आए मुस्लिम आक्रांताओं के बाद अंग्रेजों की हस्तियां भी समाप्त हो गईं और भारतीय संस्कृति आज भी जिंदा है।सांसद साक्षी महाराज ने शुक्रवार को ब्रह्मपुरी स्थित राम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि विपक्ष के बयानों में गठबंधन का असली चेहरा दिखता है। विपक्ष का गठबंधन सिर्फ अपने हित का गठबंधन है। विपक्ष के नेता जिस तरह की देश विरोधी और सनातन विरोधी बयानबाजी कर रहे हैं, उसमें विपक्ष का असली चेहरा देखा जा सकता है।
साक्षी महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अखंड भारत का सपना पूरा होने जा रहा है। मोदी सरकार पर कोई आक्षेप विपक्ष नहीं लगा पा रहा है। यही कारण है कि अब विपक्ष अनर्गल आरोप लगा रहा है। उन्होंने यह सब जमानत वाले लोग हैं, जो अपनी राजनीति और अस्तित्व बचाने के लिए एक होने का ढोंग कर रहे हैं, मगर इस गठबंधन की हकीकत कुछ और ही है।
उन्होंने सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी को लेकर विपक्ष के नेताओं को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि सनातन को मिटाने वाला आज तक कोई पैदा नहीं हुआ है।

सेवा पखवाड़ा के लिए जोशी ने दिए निर्देश

बैठक

▶▶ जोशी ने प्मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने को कहा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
न्यू कैंट रोड स्थित कैंप कार्यालय में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के श्रीदेव सुमन नगर मंडल और शहीद दुर्गामल्ल मंडल के पदाधिकारियों के साथ मंत्री गणेश जोशी ने बैठक की। बैठक में उन्होंने 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित

होने वाले कार्यक्रमों को लेकर दिशा-निर्देश दिए।
गणेश जोशी ने पार्टी पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता शिविर, दिव्यांगजनों को उपकरण प्रदान करने सहित कई कार्यक्रम

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने पदभार ग्रहण किया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
एसएसपी चमोली के पदभार से रिलीव होकर हरिद्वार पहुंचे एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने हरकी पैड़ी पहुंच कर मां गंगा के पूजन के उपरांत शनिवार को एसएसपी हरिद्वार का विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान डोबाल ने पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं ऑफिशियल स्टाफ से मुलाकात कर आवश्यक जानकारी ली।
स्टाफ से वातार्लाप करते हुए एसएसपी ने कानून व्यवस्था को बेहतर बनाकर पीड़ितों को न्याय दिलाना अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि महिला एवं बच्चों सम्बन्धी अपराधों पर रिस्पांस टाइम को बेहतर बनाकर पीड़ित की मदद करने के लिए सभी से सहयोग की अपेक्षा है।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

संगोष्ठी

▶▶ एनईपी पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने किया।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के ऋषिकेश कैंपस में शुक्रवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय की ओर से भौतिक विज्ञान में उन्नति, सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के साथ सतत विकास और एनईपी के विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने किया।
संगोष्ठी के प्रथम दिन मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि सुव्यवस्थित, सुसंगठित और क्रमबद्ध ज्ञान को ही विज्ञान कहते हैं। हमारे देश में प्राचीन काल से ही विज्ञान के साथ-साथ भौतिक का महत्व रहा है। उन्होंने कहा कि कार्य केन्द्रित शिक्षा में भौतिकी शिक्षक का अपना महत्व है। समाज में आधुनिकीकरण की आवश्यकता के लिए और वैज्ञानिक अभिवृद्धि के विकास में भौतिक विज्ञान का महत्व और भी बढ़ जाता है।
डॉ अग्रवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य सतत विकास के लिए 2030 के एजेंडे के चौथे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना है। यह देश की पारंपरिक मूल्य प्रणालियों का निर्माण करती है और साथ ही प्रत्येक छात्र की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षा प्रणाली को अधिक अनुभवात्मक, वैज्ञानिक, रचनात्मक और व्यक्तिगत बनाने हेतु अनेक सुधार प्रस्तुत करती है।डॉ अग्रवाल ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस संगोष्ठि में भौतिक एवं आभासीय माध्यम से जुड़े विषय विशेषज्ञ एवं शोधार्थी संगोष्ठी के विषय पर व्यापक विचार विमर्श करेंगे तथा एक ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचेंगे जो कि देश की उन्नति एवं उसे विश्व गुरू बनाये रखने में अनोखे आयाम स्थापित करेगा।

उप जिलाधिकारी के आश्वासन के बाद भी नहीं माने छात्र

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के पोखरी महाविद्यालय में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर बीते चार दिनों से चल रहा आमरण अनशन शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। छात्रों के आंदोलन को स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपना समर्थन दिया है। पांचवें दिन प्रशासन की ओर से उप जिलाधिकारी संतोष कुमार पांडे आंदोलनकारियों से मिलने पहुंचे तथा उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मांग को शासन स्तर पर समाधान करने के लिए प्रयास किया जाएगा, लेकिन छात्रों ने उनकी बात नहीं मानी और आमरण अनशन पर डटे रहे।
महाविद्यालय पोखरी के छात्र संघ

अध्यक्ष अंकित चौधरी और छात्र प्रतिनिधि आकाश चमोला की ओर से महाविद्यालय की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर बीते 11 सितम्बर से महाविद्यालय परिसर में आमरण अनशन किया जा रहा है। इस दौरान आमरण अनशन पर बैठे छात्रों के स्वास्थ्य में भी काफी गिरावट आ गयी है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों की ओर से लगातार आंदोलनकारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। शुक्रवार को पांचवें दिन उपजिलाधिकारी छात्रों को समझाने के लिए महाविद्यालय पहुंचे, लेकिन छात्रों ने उनकी एक न सुनी और आमरण अनशन पर बैठे रहे। इस दौरान ब्लाक प्रमुख प्रीति भंडारी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विकेन्द्र नेगी ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया।

हिमालय बचाओ अभियान: परंपरागत बीजों को बचाने की अपील

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के जोशीमठ विकास खंड के दूरस्थ क्षेत्र सलूड में शुक्रवार को एक्शन एड एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में संस्था जनदेश के सहयोग से हिमालय बचाओ अभियान के अंतर्गत बीज बचाओ पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।
गोष्ठी में यह बात निकलकर सामने आयी कि परंपरागत बीजों का प्रकृति के संरक्षण में अहम भूमिका रही है। लिहाजा पहाड़ों में मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
गोष्ठी में स्वयं सेवी संस्था जनदेश के सचिव लक्ष्मण सिंह नेगी ने कहा कि पहाड़ों में परंपरागत बीजों से प्रकृति के संरक्षण में बड़ा

योगदान रहा है। मोटे अनाजों की खेती पर्यावरण के अनुकूल रही है। वर्तमान में बदलते हुए जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से यदि खेती बच सकती है तो मोटे अनाजों की खेती ही जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए कारगर उपाय हो सकता है। उन्होंने कहा कि कम पानी में हम कैसे उत्पादन अधिक बढ़ाएं यह परंपरागत खेती में निहित है। पहाड़ों पर लगातार भूस्खलन, बाढ़, सूखा की समस्या से निपटने के लिए हमें अपनी पारंपरिक खेती में अमूल चूल परिवर्तन करना पड़ेगा। इसके लिए अपने बीजों को बचाने की आवश्यकता है। हमारे क्षेत्र में राजमा, चैलाई, मंडुवा, चीणा, धान, दाल की कई प्रजातियां थीं वह धीरे-धीरे समाप्ति की ओर हैं। वर्तमान में पहाड़ी अनाज का बीज बैंक बनाने की आवश्यकता है जिससे पहाड़ी बीज बच सके।
गोष्ठी में देवग्राम के प्रधान देवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि हमें अपने बीजों को बचाने के लिए अभी से युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। जंगली जानवर हमारे खेतो को लगातार नुकसान पहुंचाते जा रहे हैं इसके लिए खेती के अनुरूप विकास योजनाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, ताकि लोगों को अधिक उत्पादन मिल सके।

सलूड ग्राम प्रधान प्रमिला देवी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है, लगातार जंगलों का काटना, बड़ी-बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं का बनना और उससे निकलने वाले मलबे का सही निस्तारण न होने से पेड़ पौधों को पहुंचने वाला नुकसान। उनका यह भी कहना था कि जिस जगह से हाई टेंशन लाइन गुजर रही है उसके आसपास के पेड़ पौधे सूखते नजर आ रहे हैं। उन्होंने मोबाइल टावरों के कारण पक्षियों की संख्या में हो रही कमी पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारे गांव में आज से 20 से 25 वर्ष पूर्व पांच फीट से अधिक बर्फ गिरती थी। अब मुश्किल से आधा फिट भी बर्फ पूरी जनवरी के माह में नहीं गिर रही है, जिससे फसलों का उत्पादन घट रहा है। कीट पतंग बढ़ गए हैं।

जागड़ा पर्व पर चार विकासखंडों के स्कूलों में 18 सितम्बर को अवकाश घोषित

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जिला प्रशासन देहरादून और उत्तरकाशी ने संस्कृति, धर्मस्व, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के निर्देश पर हनोल स्थित महासू मंदिर एवं दसऊ स्थित चालदा महाराज मंदिर परिसर में जागड़ा (देवनायणी) राजकीय मेला पर्व पर एक दिन का अवकाश घोषित किया है।जौनसार बाबर के प्रमुख तीर्थ स्थल हनोल मंदिर में पूजा दर्शन के लिए हर वर्ष जांगड़े में हजारों श्रद्धालु आते हैं। 18 सितंबर को हनोल मंदिर और 19 सितंबर को चलदा महाराज मंदिर परिसर में जागड़ा देवनायणी राजकीय मेला पर्व के आयोजन

को देखते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून के द्वारा विकासखण्ड कालसी व चकराता और मुख्य शिक्षा अधिकारी उत्तरकाशी ने विकासखण्ड पुरोला और मोरी क्षेत्र के अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी विद्यालयों में 18 सितंबर को एक दिन का अवकाश घोषित किया है।
मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जल्दी ही हनोल स्थित महासू देवता मंदिर का मास्टर प्लान तैयार कर वहां का सुनियोजित विकास किया जायेगा। मास्टर प्लान तैयार करने की जिम्मेदारी अहमदाबाद की डिजाइन एजेंसी आईएनएस को दी गई है।पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की पहल पर ही पर्यटन विभाग ने बद्रीनाथ और केदारनाथ की तर्ज पर हनोल स्थित महासू देवता मंदिर के विकास के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया था। जिस पर पूर्व में ही प्रदेश मंत्रिमंडल अपनी मोहर लगा चुका है।

संपादकीय

भीड तंत्र के खतरों से अनभिज्ञ समाज

देश के कई राज्य हिंसा तथा चुनाव की प्रतिस्पर्धा से जल रहे हैं। मानवता चीत्कार कर रही है और आम नागरिक अपने जलते हुए घरों और परिजनों के मृत शव को देखकर भयभीत हो रहे हैं। मणिपुर और पश्चिम बंगाल की हिंसात्मक घटनाओं को देखकर धीरे-धीरे सामाजिक न्याय पर विश्वास उठता जा रहा है जब मंत्रियों के घरों में आग लगाई जा सकती है तो आम आदमी कि कोई अहमियत नहीं रह गई है। राज्य सरकारें हाथ में हाथ धरे बैठी केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है बड़ी विभीषिका के दृश्य सामने आ रहे है। भीड तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लीचिंग। वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है ।यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं।

और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है। भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है।

अब जन्म प्रमाण पत्र को हल्के में नहीं लीजिएगा जी !

किशन भावनानी

> “ चीफ रजिस्ट्रार राज्यों के स्तर पर डेटा मेंटेन करने का काम करेगा. वहीं ब्लॉक स्तर पर यह काम रजिस्ट्रार का होगा. इससे देश भर में जन्म और मृत्यु का नेशनलडाटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी और राशन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड जैसे कई डेटा बेस को तैयार करने में आसानी होगी।नया कानून रजिस्टर्ड बर्थ-डेथ का नेशनल और स्टेट लेवल डेटा बेस बनाने में भी मदद करेगा। इससे पब्लिक सर्विसेज बेहतर तरीके से डिलीवर की जा सकेंगीं।
> साथियों बात अगर हम इस कानून द्वारा लागू होने पर संविधान में प्राप्त कुछ अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है जो विचारणीय है वह मुद्दे और धाराएं इस प्रकार हैं जन्म प्रमाणपत्र का उपयोग बिल में कुछ उद्देश्यों के लिएव्यक्तियों के जन्म प्रमाणपत्र की आवश्यकता बताई गई है ”

वैश्विक स्तरपर दुनिया का हर देश अब जान गया है कि भारत विजन 2047 के लिए बुलेट ट्रेन की तेजी से काम कर रहा है। अपने पुराने कानूनों में संशोधन, नए-नए कानूनों को बनाना, विवादित नियमों को हटाना और प्रत्येक क्षेत्र का डेटाबेस डिजिटाइजेशन में कन्वर्ट करना भारत की प्राथमिकता बन चुका है। भारत के बढ़ते रुतबे को देखते हुए दुनिया के अनेक देशों के नागरिकों की भारत में बसने की लालसा जाग उठी है, तो वहीं शासकीय योजनाओं लाभार्थियों, हितों, सरकारी सहायता प्राप्त करने, जन्म मृत्यु का इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस तैयार करने इत्यादि अनेककारणों से इनसे संबंधित प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने मंत्रिमंडलीय बैठक में में यह विधेयक पारित किया था। फिर उसे मानसून सत्र में लाकर 1 अगस्त 2023 को लोकसभा में और 7 अगस्त 2023 को राज्यसभा में पारित किया, जिसे राष्ट्रपति की स्वीकृति हस्ताक्षर के बाद अब कानून बन गया है, जिसे 13 सितंबर 2023 को भारत के राज्पत्र में अधिसूचना जारी कर 1 अक्टूबर 2023 से लागू करने की जानकारी दी गई है जिससे जन्म मृत्यु का पंजीकरण करवाना अनिवार्य और सभी शासकीय कार्यों हितों हेतु प्रक्रिया में इसे अनिवार्य बनाया गया है। बता दें जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 को 54 वर्षों के बाद पहली बार इस अधिनियम में संशोधन हुआ है जिसे रेखांकित करना जरूरी है। चूंकि शासकीय कार्यों लाभों हितों के लिए जन्म प्रमाण पत्र एक सिंगल डॉक्यूमेंट के रूप में उपयोग होगा, इसीलिए इसे हल्के में नहीं लेना समय की मांग है, इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सुनिए जी ! अब जन्म प्रमाण पत्र को हल्के में नहीं लीजिएगा जी! शासकीय प्रक्रिया में प्रमाण का अनिवार्य सिंगल दस्तावेज हो गया है। साथियों बात अगर हम जन्म मृत्यु पंजीकरण संशोधन अधिनियम 2023 की करें तो दरअसल 13 सितंबर को गृह मंत्रालय ने एक नोटिस जारी कर बताया कि 1अक्टूबर 2023 से जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 लागू हो रहा है। इस नियम में कहा गया है कि सभी नागरिकों को बर्थ और डेथ के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य हो जाएगा। जन्म प्रमाण पत्र को सिंगल डॉक्यूमेंट के तौर पर इस्तेमाल करने की

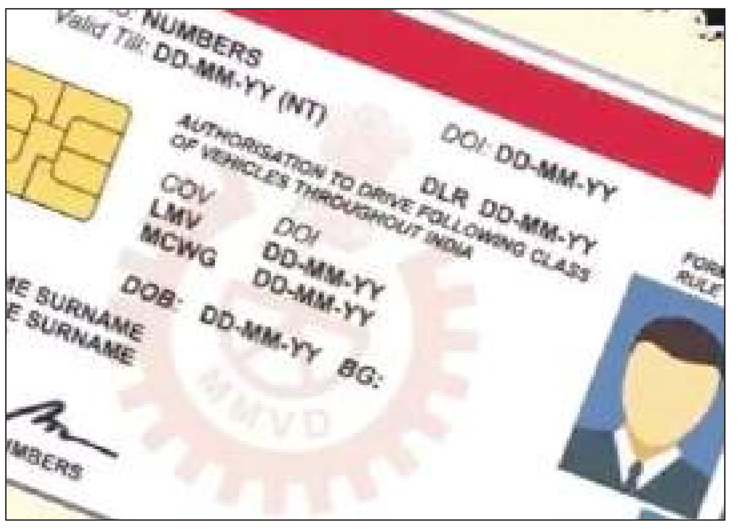

जानकारी कानून के रूप में सामने आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक आगामी 1 अक्टूबर से लागू हो जाएगा।इस संशोधितकानून के लागू होने से कई महत्वपूर्ण कामों में बर्थ सर्टिफिकेट सिंगल डॉक्यूमेंट के तौर पर इस्तेमाल होगा। जैसे कि शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता सूची तैयार करने आधार संख्या, विवाह पंजीकरण और सरकारी नौकरी में नियुक्ति के लिए एकल दस्तावेज के तौर पर इस्तेमाल होगा।नया कानून रजिस्टर्ड बर्थ-डेथ का नेशनल और स्टेट लेवल डेटा बेस बनाने में भी मदद करेगा। इससे पब्लिक सर्विसेज बेहतर तरीके से डिलीवर की जा सकेंगीं। ये नया नियम 1 अक्टूबर या इसके बाद बनने वाले बर्थ सर्टिफिकेट पर लागू होगा। कानून लागू होने से सबसे बड़ा बदलाव यह होगा कि बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट डिजिटल रूप से भी मिल पाएगा। अभी इसकी हार्ड कॉपी ही मिल पाती है। इसके लिए भी कई-कई दिनों तक दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं।अभी तक आधार को हर जगह पहचान पत्र की तरह यूज किया जाता है। इसे अपने दूसरे डॉक्यूमेंट और अकाउंट से लिंक कराने की जरूरत पड़ती है। उसी तरह ये बर्थ-डेथ सर्टिफिकेट होगा, जो कि बर्थ और डेथ प्रूफ के लिए हर जगह पर सर्वमान्य पहचान पत्र की तरह काम करेगा। साथियों बात अगर हम इस नए अधिनियम के कारणों और फायदे की करें तो, दरअसल, इस कानून का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत जन्म और मृत्यु के लिए एक राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय डेटाबेस स्थापित करना है। कानून जन्म प्रमाण पत्र को किसी व्यक्ति की जन्म तिथि और स्थान के निश्चित प्रमाण के रूप में स्थापित करेगा। यह नियम जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 के लागू होने पर या उसके बाद पैदा हुए लोगों पर लागू होगा। यह प्रमाणपत्र स्कूलों में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, मतदाता सूची तैयार करने, विवाह पंजीकरण, सरकारी रोजगार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पासपोर्ट और आधार नंबर जारी करने सहित विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके अलावा यह कानून गोद लिए गए, अनाथ, परित्यक्त और सरोगेट बच्चों के साथ-साथ एकल माता-पिता या अविवाहित माताओं के बच्चों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाएगा। जन्म और मृत्यु पंजीकरण के नियमों में बदलाव के पीछे मुख्य मकसद यह है कि इससे केंद्र और राज्य स्तर पर जन्म और मृत्यु का डेटाबेस तैयार किया जा सके। इस नियम के लागू होने के बाद राज्य और केंद्र सरकार जन्म और मृत्यु के डेटा को आपस में आसानी से साझा कर पाएंगी। इसके लिए राज्यों के तरफ से चीफ रजिस्ट्रार और रजिस्ट्रार की नियुक्ति की जाएगी. चीफ रजिस्ट्रार राज्यों के स्तर पर डेटा मेंटेन करने का काम करेगा. वहीं ब्लॉक स्तर पर यह काम रजिस्ट्रार का होगा. इससे देश भर में जन्म और मृत्यु का नेशनलडाटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी और राशन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड जैसे कई डेटा बेस को तैयार करने में आसानी होगी।नया कानून रजिस्टर्ड बर्थ-डेथ का नेशनल और स्टेट लेवल डेटा बेस बनाने में भी मदद करेगा। इससे पब्लिक सर्विसेज बेहतर तरीके से डिलीवर की जा सकेंगीं।

साथियों बात अगर हम इस कानून द्वारा लागू होने पर संविधान में प्राप्त कुछ अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है जो विचारणीय है वह मुद्दे और धाराएं इस प्रकार हैं जन्म प्रमाणपत्र का उपयोग बिल में कुछ उद्देश्यों के लिएव्यक्तियों के जन्म प्रमाणपत्र की आवश्यकता बताई गई है। यह प्रावधान इस बिल के लागू होने के बाद जन्मे व्यक्तियों पर लागू होगा। इन उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं: (१) किसी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश, (२) मतदाता सूची तैयार करना, (३) सरकारी पद पर नियुक्ति, (४) विवाह का पंजीकरण, और (५) केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित कोई अन्य उद्देश्य। इनमें से कुछ उद्देश्य संवैधानिक अधिकार हैं जो नागरिकों के पास हैं, और उन्हें जन्म प्रमाणपत्र के साथ सशर्त बनाना, उन अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। (1)स्कूल में प्रवेशः जन्म प्रमाणपत्र के बिना किसी बच्चे को स्कूल में प्रवेश से वंचित करना अनुच्छेद 21ए के तहत शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन हो सकता है। शिक्षा का अधिकार एक्ट, 2009 के तहत, प्रारंभिक शिक्षा में प्रवेश के लिए, बच्चे की उम्र उसके जन्मप्रमाण पत्र या किसी अन्य दस्तावेज, जिसे निर्दिष्ट किया जा सकता है, के आधार पर निर्धारित की जाती है। एक्ट में यह प्रावधान भी है कि आयु का प्रमाण न होने पर किसी भी बच्चे को स्कूल में प्रवेश से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। बिल ऐसी कोई छूट प्रदान नहीं करता है। इसका तात्पर्य यह है कि अगर किसी बच्चे का जन्म पंजीकृत नहीं किया गया है, तो उसे जीवन भर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश से वंचित किया जा सकता है।(2)वोट देने का अधिकारः अनुच्छेद 326 गारंटी देता है कि 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार है। इस अधिकार में कटौती की जा सकती है, अगर कोई व्यक्ति कुछ अयोग्यताओं के अधीन है, जैसे वह नॉन-रेसिडेंस है, उसका मस्तिष्क अस्वस्थ है, वह अपराधी, भ्रष्ट है या गैरकानूनी आचरण करता है। जन्म प्रमाणपत्र (आयु प्रमाण के लिए) न होना, उल्लिखित अयोग्यता के अंतर्गत नहीं आता है।(3)जन्म के रिकॉर्ड को आधार से लिंक करना-बिल माता-पिता और जन्म की सूचना देने वाले व्यक्ति (सूचनादाता) के आधार विवरण को बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र से जोड़ता है।

कविता

उसे हंस लेना चाहिए था।

चलते चलते रुक गया वह
जाकर भी नहीं जा पाया वह
सोचने और सोचने के पहले
और फिर बाद में।

सोचना रुक सा गया था
याद आती बातों को
अपने हाथों में भींचना चाहता था
पर नहीं कर पाया ऐसा
पकड़ लेता उन यादों को,

जो पिछले सालों से
लगातार पास आकर
बिना कुछ कहे चले जाती थी
पूरी पूरी तरह दूर भी नहीं जाती
हाथों की उंगलियों की दरारों से
फिसल कर दिमाग मैं घूम फिर कर
वापस जाकर गुम हो जाती।

आती-जाती बातों से
उसका फिर हवा में
उसका सिर टकराया भी
बातें लंबी चौड़ी थी
ज्यादातर आकार नहीं होता था
फिर अपनी मिच-मिचाती आंखों से
देख नहीं पाया बातों को
बातों का चेहरा तिरछा था शायद।

संजीव

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का उल्टा हो रहा

अशोक भाटिया

भारत में सदियों से महिलाओं को शिक्षा एवं समाज में बराबरी के अधिकार से वंचित रखा गया था पर आज संवैधानिक अधिकार के तहत भारत की लाखो बेटियों ने अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन करने में कामयाब हुई तब जाकर सरकार ने भी लोगो को जागरूक करने हेतु बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का संचालन प्रारंभ किया। और शिक्षा ही एकमात्र ऐसा शस्त्र है जिसके बल पर संपूर्ण विश्व में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया जा सकता है। इसलिए इस अभियान का नाम ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियानह्व रखा गया है। पर इस समय बिहार में बेटी न मार से न बच रहीं है न पढ़ पा रही है । सोचिए, जिस देश में ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व की मुहिम चल रही हो, जिस देश की बेटियां दुनिया में नाम रौशन कर रही हों, जिस देश की बेटियां फाइटर जेट उड़ा रही हों, जिस देश की महिला वैज्ञानिक चन्द्रयान को चांद पर पहुंचा रही हों, उस देश में अगर बेटियों को अपनी पढ़ाई के अधिकार के लिए सड़क पर आना पड़े, तो इससे ज्यादा शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? हाल ही में बिहार के वैशाली जिले से बहुत ही शर्मनाक घटना सामने आई है । टी वी व बिहार के स्थानीय समाचार पत्रों में आ रही खबरों के अनुसार वैशाली जिले में गल्?स हाई स्?कूल मनहार की छात्राओं ने शाला में बैठने की की बहुत खराब ?यवस्?था है जिसको लेकर वहां की छात्राओं जमकर हंगामा किया। इस दौरान नाराज छात्राओं ने नारेबाजी की और एक सरकारी वाहन पर पथराव किया। हालांकि वाहन में कोई बैठा नहीं था। छात्राओं के हंगामें को लेकर महनार के एसडीओ ने कहा कि स्कूल में क्षमता से अधिक छात्राओं का प्रवेश हुआ है। इस संबंध में बताया गया कि उच्च विद्यालय महनार बालिका की छात्राएं लगातार विद्यालय आ रही हैं, लेकिन विद्यालय में छात्राओं का नामांकन अधिक होने और उनके बैठने की व्यवस्था नहीं की गई है। विद्यालय में 2080 छात्राओं का नामांकन है, जबकि 600 से 700 छात्राओं के ही बैठने की व्यवस्था है। शिक्षा विभाग की ओर से छात्राओं की 75 प्रतिशत उपस्थित अनिवार्य करने के कारण छात्राएं भारी संख्या में विद्यालय पहुंच रही हैं। इसके कारण उन्हें बैठने तक की जगह नहीं मिल पाती है। प्रत्येक दिन लगभग यही स्थिति बनती है। इन्हीं सब बातों से आक्रोशित छात्राओं ने गुरुवार को शिक्षा विभाग के विरुद्ध बगावत करते हुए विद्यालय के सामने सड़क पर निकाल कर हाजीपुर-महनार एनएच 122 बी को जाम कर दिया था। सड़क जाम करने के बाद कुछ छात्राएं मदन चौक पर आ गई और यहां भी उन्होंने सड़क को जाम कर दिया, जिससे पूरे बाजार में अपरा-तफरी की स्थिति बन गई। मदन चौक से लेकर विद्यालय तक का इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। सड़क जाम कई घंटों तक चला।

विचार

विश्वकर्मा योजना आखिर सुध ली गई हाशिए पर खड़े समाज की

आर.के. सिन्हा

कभी यह भी सोचा जाना चाहिए कि देश के आजाद होने के इतने दशक गुजरने के बाद भी हमने मोची, धोबी, बढ़ई, लोहार, कुम्हार जैसे निचले स्तर पर काम करने वालें कुशल कामगारों के हितों को लेकर कोई व्यापक नीति क्यों नहीं बनाई? अगर इनके बारे में पहले सोचा जाता तो ये भी देश के विकास का लाभ ले रहे होते। इनकी अनदेखी तो हुई। हां, इतना सुकून किया जा सकता है कि अब इनके बारे में सोचा जा रहा है। अब सरकार इनकी जिंदगी में खुशियां लाने के लिये विश्वकर्मा योजना लेकर आ रही है। इस योजना के ऊपर अगले पांच साल में 13 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 17 सितंबर को जन्म दिन पर शुरू होने वाली इस योजना के तहत मोची, धोबी, बढ़ई, लोहार कुम्हार आदि को पांच प्रतिशत की दर से एक लाख रुपये और दूसरे चरण में दो लाख रुपये का कर्ज मिल सकेगा। शिल्पकारों और कामगारों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। ट्रेनिंग लेने वालों को हर दिन 500 रुपये का मानदेय देने की व्यवस्था हो रही है।

सच में अफसोस होता है कि हमारे नीति निर्धारक इतने संवेदनशील भी नहीं रहे जिससे कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिये कल्याणकरी योजनाएं बन पातीं। क्या ये हमारे देश-समाज में शामिल नहीं हैं? हमने इनकी इतनी बेकदरी क्यों की? क्या ए वोट बैंक का हिस्सा नहीं थे ? राजकपूर की 1954 में रीलिज हुई अमर फिल्म बूट पालिश के पात्र भोला जैसे बच्चे देश के तमाम शहरों के बाजारों में आराम से देखने को मिलते हैं। बूट पालिश फिल्म के विपरीत असली जिंदगी में भोला जैसे किसी बच्चे के साथ उसकी बहन बेलू या कोई और लड़की नहीं होती। ये जगह-जगह अपने एक लकड़ी के बने डिब्बे के साथ बैठे होते हैं। उसमें अलग-अलग रंगों की पालिश,ब्रुश और कपड़े होते हैं। कुछे के पास मोची का सामान भी होता है। ये इन्हीं से अपने ग्राहकों के जूते सैंडिल वगैरह चमकाते और बनाते हैं। ये 15 साल से 55 साल तक मिलेंगे। कई-कई तो बूट पालिश का काम करते हुए ही अधेड़ हो गए हैं। ये जब काम करने लगते हैं तो ये बच्चे होते हैं। घर की कमजोर माली हालत के चलते पढ़ नहीं पाते और फिर करने लगते हैं बूट पालिश और मोची का काम। इनकी कभी कोई मदद नहीं करता। कुछ दिन पहले राजधानी में समाप्त हुये जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति लूला भी पधारे थे। वे भी एक मोची परिवार से थे। उन्होंने भी बचपन में बूट पालिश की थी । आज वे विश्व के बेहद असरदार नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। कहने का मतलब ये है कि अगर हमने अपने समाज के हाशिये पर धकेले गये लोगों को पर्याप्त अवसर दिये होते तो वे भी देश की मुख्यधारा का हिस्सा होते। खैर, अब उन्हें अवसर मिलेंगे तो वे आगे बढ़ेंगे।

विश्वकर्मा योजना के बहाने कुतुब मीनार की चर्चा करना समीचिन होगा। कुतुब मीनार के निर्माण में विश्वकर्मा जी का भी आशीर्वाद रहा है। यह तथ्य इतिहास के पन्नों में दर्ज है। हुआ यह कि सन 1369 में बिजली गिरने के कारण कुतुब मीनार की ऊपरी मंजिलों के कुछ हिस्से भी क्षतिग्रस्त हो गये थे। तब दिल्ली की गद्दी पर फिरोजशाह तुगलक का राज था। उन्होंने कुतुब मीनार के क्षतिग्रस्त भागों की मरम्मत के आदेश दिए। उनके आदेश के बाद कुतुब मीनार की पांचवीं मंजिल नए सिरे से बनाई गई। उसमें संगमरमर का भी भरपूर इस्तेमाल भी किया गया। इतिहासकार डॉ स्वपना लिड्डल कहती हैं कि कुतुब मीनार के मरम्मत के काम को अंजाम देने वाले आर्किटेक्ट, ठेकेदारों और मजदूरों ने निर्माण स्थल पर अपने नाम जैसे नाना,साल्हा, लोला लक्षमना भी लिख दिए। उन्होंने यह भी लिख दिया कि उनका सारा काम विश्वकर्मा के आशीर्वाद से संपन्न हुआ। यह सब अब भी लिखा हुआ है। एएसआई की एक रिपोर्ट में संस्कृत में उत्कीर्ण ठेकेदारों तथा मजदूरों के उदगार लिखे मिलते हैं। बेशक, विश्वकर्मा योजना उन लाखों-करोड़ों लोगों की जिंदगी में ना केवल सकारात्मक बदलावों का वाहक बनेगी बल्कि विकसित भारत का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। भारत की जीडीपी में असंगठित क्षेत्र का योगदान लगभग 50 फीसदी है। देश के श्रमबल का 90 फीसदी असंगठित क्षेत्र में काम करता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

पाकिस्तान की कमर तोड़ने से ही आतंकवाद निस्तेज होगा

ललित गर्ग

जी-20 की शानदार एवं ऐतिहासिक सफलता से बौखलाये पाकिस्तान ने एक औछी, अमानवीय एवं अराजक घटना को अंजाम देते हुए अनंतनाग में आतंकवादी घटना में हमारी सेना के दो बड़े अधिकारी और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक उपाधीक्षक के प्राण ले लिये है, यह घटना पडोसी धर्म पर एक बदनुमा दाग ही नहीं, बल्कि हिंसा एवं उन्माद की चरम पराकाष्ठा है। आज पाकिस्तान जिस आर्थिक दुर्दशा एवं बदहाली का शिकार है, उसमें ऐसी अराजक घटनाओं को प्रश्रय देना उसके लिये घोर अंधेरा का सबब ही बनेगा। शायद पाकिस्तान अब भी यह नहीं समझ पाया है कि पड़ोसियों से अच्छे संबंध कितने जरूरी है, इन्हें सुदृढ़ बनाकर ही विश्व राजनीति में अपनी राजनीतिक और आर्थिक स्थिति मजबूत की जा सकती है। भारत की दुनिया में बढ़ती साख एवं उसकी मजबूत होती आर्थिक स्थितियों में कोई भी समझदार देश उससे दुश्मनी की नहीं सोच सकता। दुनिया के सभी देश, भले ही वे महाशक्तियां ही क्यों न हो, भारत के साथ रहने में ही अपना भला देख रही है, फिर पाकिस्तान क्यों नादानी पर उतरा है। पाकिस्तान की जनता भी यह बात भली भांति समझ रही लेकिन उसके नीति निर्धारकों एवं शासकों को यह बात समझ नहीं आ रही। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कुछ और कठोर उपाय करने होंगे। निश्चित ही अनंतनाग में आतंकियों से लड़ते हुए सेना के कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं बट का बलिदान देश के लिए एक बड़ी एवं अपूरणीय क्षति है। ये तीनों ही अफसर अपनी दिलेरी के लिए जाने जाते थे और उन्होंने अतीत में कई आतंकवाद विरोधी अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया।

उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए और आतंकियों का चुन-चुनकर सफाया करने के साथ ही पाकिस्तान को नए सिरे से सबक सिखाया जाना चाहिए, क्योंकि जिस आतंकी गुट के आतंकियों के घात लगाकर किए गए हमले में हमारे बहादुर अफसर वीरगति को प्राप्त हुए, वह भले ही स्वयं को स्थानीय बताता हो, लेकिन उसे पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर का हर तरह का सहयोग एवं समर्थन हासिल है।

ओम् स्वाहा...

डॉ. सुरेश कुमार

चुनावी वादे भगवीता के सार की तरह होते हैं। जो कल किसी का था, आज वह किसी का है और परसों किसी और का होगा। इस सार से सत्ता और विपक्ष दोनों डरते हैं। साथ ही लाभ भी उठाते हैं। पार्टियाँ प्रायः चुनाव के समय डरी-डरी सी रहती हैं। बाकी दिनों में जनता को डराती रहती हैं। पार्टियों को बड़े खतरे की आशंका हुई। कुछ शुभचिंतकों ने सोचा कि इससे पहले पानी सिर के पार हो जाए आलाकमान को सचेत करने में अपनी भलाई है। भली-भांति जानते हैं कि सरकारी व्यवस्था में सरकार हमेशा चाकू और शुभचिंतक तरकारी की तरह होते हैं। हर हाल में कटना तो तरकारी को ही है। बात जब आलाकमान तक पहुंची तो मुखिया पहले थोड़ा परेशान हुए। फिर सोचा मुखिया का काम तो परेशान करना होता है न कि परेशान होना। वैसे भी बैसाखी और परेशानी से चलने वाला कोई भी मुखिया मुंह के बल धड़ाम से गिरता है। अफरा-तफरी में आपातकालीन बैठक बुलाई गई।

आपातकालीन बैठक में हमेशा आपातकाल के नाम पर आफत काल का माहौल तैयार होता है। यही वह मौका होता है जब आलाकमान के सभी लोग एक दूसरे से मिल बैठकर तोड़ने जोड़ने और अपनी भड़ास निकालने का पूरा लाभ उठाते हैं। इसीलिए आलाकमान बैठकों से अधिक उठापटक में विश्वास रखता है। जैसे तैसे आलाकमान की बैठक आरंभ हुई। मुखिया ने अपनी गिद्दी नजर सब पर गड़ाई। उन्हें डराने लगा। कहा- हमारे पीठ पीछे पार्टी की थाली में छेद करने की साजिश रची जा रही है।

हमारा विरोधी कुछ बड़ा करने की फिराक में है। आज के समय में विरोधी का जीवित रहना हमारी नपुंसकता का परिचायक है। मुखिया की बात सुन सभी गहरे चिंतन में डूब गए। या यूँ कहिए सोचने के नाम पर कुछ सो गए तो कुछ खो गए। वैसे भी भीड़ में कभी सांप नहीं मरता। मुखिया जान गए थे कि जिन्होंने जीवन भर लूटपाट, डकैती और डकारने के लिए हाथ पैर और पेट का इस्तेमाल किया हो उनसे बुद्धि वाला कार्य करवाना सबसे बड़ी बेवकूफी है।

न्यूज फ्लैश

टीसीएस ने टीसीएस रूरल आईटी क्विज 2023 की घोषणा की

गाजियाबाद। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और सायंस एंड टेक्नॉलॉजी डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि टीसीएस रूरल आईटी क्विज के 24 वें संस्करण में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन्स शुरू हो चुके हैं। बेंगलुरु टेक समिट 2023 के एक हिस्से के रूप में इस क्विज का आयोजन किया जाएगा। इस क्विज में ऑनलाइन टेस्ट्स, और वर्चुअल और फिज़िकल क्विज शोज भी होंगे। छोटे शहरों और जिलों के आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों को इसमें हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा दिया जाता है। शहर निगम की सीमाओं के भीतर के स्कूलों के छात्र इसमें हिस्सा नहीं ले सकते। इस क्विज में विभिन्न क्षेत्रों और पहलुओं में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिनमें प्रौद्योगिकी पर्यावरण, कारोबार, लोग, नए रुझान शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को आईटी ने प्रभावित किया है उन्हें भी क्विज में शामिल किया जाता है, जैसे कि, बैंकिंग, शिक्षा, मनोरंजन, किताबें, मल्टीमीडिया, संगीत, मूवीज, इंटरनेट, एडवरटाइजिंग, खेल, गेमिंग, सोशल नेटवर्किंग और मोबाइल्स की दुनिया। टीसीएस रूरल आईटी क्विज में भारत भर में आठ रीजनल फाइनल्स होंगे। हर रीजनल फाइनल के भाग्यशाली विजेता को बेंगलुरु में नवंबर में होने जा रहे नेशनल फाइनल्स के लिए आमंत्रित किया जाएगा। सभी रीजनल विजेताओं को 10,000 रुपयों के और उपविजेताओं को 7000 रुपयों के गिफ्ट वाउचर्स से पुरस्कृत किया जाएगा। टीसीएस रूरल आईटी क्विज के भाग्यशाली राष्ट्रीय विजेता को 1,00,000 रुपयों की टीसीएस एजुकेशन स्कॉलरशिप और राष्ट्रीय उपविजेता को 50,000 रुपयों की स्कॉलरशिप से सम्मानित किया जाएगा। सभी रीजनल और राष्ट्रीय विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम हिंदी है: शाह

कानपुर: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के मौके पर अपने संबोधन में कहा कि भारत, विविध भाषाओं का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम हिंदी है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ भाषाओं और संस्कृतियों का बेजोड़ संगम देखने को मिलता है। हिंदी को जनतांत्रिक भाषा का दर्जा भी मिल चुका है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि जन-जन की भाषा हिंदी ने पूरब से लेकर पश्चिम और उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश भर में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य किया। आजादी के बाद हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 के दिन ही हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। मोदी जी की दूरदर्शी सोच और शाह के मार्गदर्शन में आज सभी भारतीय भाषाओं के माध्यम से गरीब हितैषी योजनाओं को लागू कर गरीबों और वंचितों का कल्याण किया जा रहा है। देश में राजभाषा में हुए कार्यों की समय-समय पर समीक्षा के लिए संसदीय राजभाषा समिति का गठन किया गया था ताकि सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की जा सके। 2014 तक इस रिपोर्ट के 9 खंड ही सौंपे गए थे, लेकिन शाह के कुशल प्रबंधन में महज 4 वर्षों के अंदर 3 खंड प्रस्तुत किए जा चुके हैं। 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया जा चुका है। आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट-लुई में भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। राजभाषा को तकनीक के अनुसार विकसित बनाने के लिए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली कंठस्थ का निर्माण और हिंदी शब्द सिंधु शब्दकोष का निर्माण किया जा चुका है। कुल 90 हजार शब्द का एक ई-महाशब्दकोश मोबाइल एप और करीब 9 हजार वाक्य का ई-सरल वाक्य कोष भी तैयार किया गया है। निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल का उदाहरण देतेहुए शाह ने स्पष्ट किया कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ देश की सांस्कृतिक धरोहर हैं। हिंदी की किसी भी भारतीय भाषा से न कभी कोई स्पर्धा थी और न ही कभी हो सकती है। सशक्त भारत के निर्माण केलिए सभी भाषाओं को सशक्त करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारतीय भाषाओं को देश ही नहीं दुनिया भर के मंचों पर उचितसम्मान मिल रहा है।

जजपा नेता एक बूथ-एक सखी व एक बूथ-एक योद्धा के एजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटे

गन्नौर। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला व हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के आह्वान पर गन्नौर के हलका प्रधान अनिल त्यागी व महिला विंग की हलका प्रधान अनीता वर्मा ने एक बूथ-एक सखी व एक बूथ-एक योद्धा के एजेंडे को तेजी से आगे बढ़ाते हुए अभियान चलाया। हलका प्रधान अनिल त्यागी ने पूरी टीम के कार्यकर्ता के साथ फील्ड में उतरकर एक बूथ-एक सखी व एक बूथ-एक योद्धा गांव गांव जाकर तैयार किए ताकि आने वाला समय में जजपा का शासन प्रदेश में पूर्णतया कायम किया जा सके।

'सरकार दुख की इस घड़ी में मेजर आशीष के परिवार के साथ खड़ी'

मां भारती के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मेजर आशीष के बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा : सीएम

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत, कमाल हुसैन

विगत 13 सितंबर को कश्मीर के अनंतनाग में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले मेजर आशीष धौंचक का आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव बिंझौल में किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। मेजर आशीष धौंचक को सेना की टुकड़ी ने सशस्त्र सलामी दी और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मेजर आशीष को श्रद्धांजलि देते हुए अपना शोक संदेश भेजा। मुख्यमंत्री के शोक संदेश को उपायुक्त डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने पढ़ा और मुख्यमंत्री की तरफ से पुष्पचक्र अर्पित कर मेजर को नमन किया। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि हरियाणा सरकार दुख की इस घड़ी में मेजर आशीष के परिवार के साथ खड़ी है। संदेश में उन्होंने कहा कि मां भारती के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मेजर आशीष के बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा। उनके इस सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। शुक्रवार सुबह सेना वाहन द्वारा उनके पार्थिव शरीर को टीडीआई स्थित उनके घर पर अंतिम दर्शनों के लिए लाया गया। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को बिंझौल ले जाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए और जगह जगह उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प वर्षा की गई। स्कूली बच्चों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे, पानीपत ग्रामीण विधायक महिपाल ढांडा, पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित किए।

2 अक्टूबर तक चलेगा स्वच्छता सेवा अभियानः कंवलजीत

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)

जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर ने शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण योजना के तहत पंचायत भवन में 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता सेवा अभियान का शुभारंभ किया। जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण योजना के तहत पंचायत भवन में 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता सेवा अभियान के दौरान बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में स्वच्छता एक जन आंदोलन का रूप ले रही है और 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने जिला परिषद के पार्षदों के साथ-साथ आम नागरिकों से आह्वान किया कि सरकार के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रों में गतिविधियां करवाएं।

दीपक वर्ष 2020-21, रवि एवं सिमरन वर्ष 2021-22 के लिए एनएसएस स्टेट अवार्ड हेतु चयनित

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र दीपक को 2020-21 तथा रवि एवं सिमरन को वर्ष 2021-22 के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा एनएसएस स्टेट अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस डॉ. आनन्द कुमार, उप कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीरज बातिश, एनएसएस स्टेट अवार्ड विजेता कार्यक्रम अधिकारी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करता है ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अहम भागीदारी निभा सकें। कार्यक्रम अधिकारी की कैटेगरी में डॉ. जीनत मदान, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, सनातन धर्म महाविद्यालय, अम्बाला छावनी का वर्ष 2021-22 के लिए एनएसएस स्टेट अवार्ड के लिए चयन हुए है। एनएसएस स्वयंसेवको की कैटेगिरी में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दीपक को वर्ष 2020-21, रविकांत एवं सिमरन को वर्ष 2021-22 के एनएसएस स्टेट अवार्ड के लिए चयन हुए है।

'विश्व लोकतंत्र दिवस' पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया / रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व लोकतंत्र दिवस पर व्याख्यान एवं पोस्टर मेकिंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. ज्योति रही। डॉ. ज्योति ने कहा कि देश के सम्पूर्ण विकास के लिये समावेशी लोकतन्त्र, आर्थिक समानता, गांव के हर गरीब आदमी के लिये न्याय की स्थापना करनी होगी' उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का "सबका साथ - सबका विकास" नारे से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया, जो कि भारत में एक नए लोकतन्त्र का आगाज कर रहा है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि लोकतन्त्र का आधार आपसी स्नेह भाईचारा ही है जो कि भारत की संस्कृति है।

कुरुक्षेत्र विवि में दो दिवसीय टैलेंट हंट शो का रंगारंग आगाज हुआ

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत कमाल हुसैन

एसडी पीजी कॉलेज में छात्र-छात्राओं में छिपी प्रतिभा को उजागर करने हेतु तथा उन्हें उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक पाठ्यक्रम अनुसार दो दिवसीय टेलेंट हंट एवं शो का रंगारंग आगाज हुआ। जिसमें कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा, सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रभारी डॉ.संगीता गुप्ता और अन्य प्राध्यापकों ने की। पेंटिंग प्रतियोगिता डॉ.इंदु बाला एवं प्रो.इंदु पुनिया, मोनो-एक्टिंग एवं मिमिक्री प्रतियोगिता प्रो.मयंक अरोड़ा एवं प्रो.दीपिका अरोड़ा, भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता प्रो.अन्नू आहूजा, डॉ.संतोष कुमारी एवं डॉ. भारती गुप्ता और विवज प्रतियोगिता प्रो.अन्नू आहूजा, डॉ. प्रियंका चांदना और प्रो.प्रवीण कुमारी की देख-रेख में संपन्न हुई। विदित रहे कि इन प्रतियोगिताओं के सभी विजेता विद्यार्थियों को न सिर्फ पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा बल्कि इन्हें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय यूथ फेस्टिवल, रत्नावली, जोनल और इंटर जोनल प्रतियोगिताओं और इसी तरह की अन्य बड़ी प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। प्राचार्य डॉ अनुपम अरोड़ा ने कहा कि समय रहते बहुमुखी व्यक्तित्व का निर्माण हो जाए तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। सह.पाठ्यचर्या और सांस्कृतिक गतिविधियों के बिना शिक्षा अधूरी रहती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से सांस्कृतिक मूल्य प्रचारित होते है और हमें नया सीखने का अनुभव मिलता है। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों में डॉ.एसके वर्मा, डॉ.मुकेश पुनिया, डॉ.राकेश गर्ग, डॉ.पवन कुमार, प्रो.संजय चोपड़ा, प्रो.मनीज कुमार, प्रो.सुनील, प्रो.सचिन व दीपक मित्तल आदि मौजूद रहे।

सम्मान

प्रतियोगिताओं के सभी विजेता विद्यार्थियों को न सिर्फ पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा

जैविक खेती पर एक दिवसीय इन-सर्विस प्रशिक्षण आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत, कमाल हुसैन

हरकोफेड, पंचकुला व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, ऊझा, पानीपत के संयुक्त तत्वाधान में सहकारी समिति के प्रबंधक व सहकारी समिति के सदस्यों के लिए जैविक खेती पर एक दिवसीय इन-सर्विस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक भूपेंद्र यादव ने बताया कि हरियाणा सरकार, सहकारी के विकास के लिए दृढ़ संकल्प लिए हुए है। इसी का नतीजा/परिणाम है कि जिले की सभी प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय सेवा केंद्रों में तब्दील किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर राजबीर गर्ग ने जैविक खेती पर अपने व्याख्यान में बताया कि आज जैविक खेती समय की जरूरत है। लगातार रासायनिक उर्वरकों व पेस्टीसाइड के अंधाधुंध प्रयोग के कारण मिट्टी की उपजाऊ शक्ति में गिरावट आई है। जल व हवा भी प्रदूषित हुई है। हमारे जिले में धान-गेहूं फसल चक्र है। प्रत्येक फसल की उत्पादकता में ठहराव सा आ गया है। इसके लिए, जरूरी है कि हमें जैव उर्वरक, जैविक खाद, फसल अवशेष, आदि के सदुपयोग के बारे में जागरूक होना पड़ेगा। धान-गेहूं फसल चक्र में किसान भी यूरिया व डी.ए.पी. का ज्यादा प्रयोग करते हैं। इस अवसर पर प्रशांत शर्मा, उप-रजिस्ट्रार, जिला सहकारी बैंक, पानीपत ने पशुधन पर जोर देने के लिए आवाहन किया, ताकि हमारी फसलों को जैविक खाद मिल सके व हमारी खाद्यान्नों की गुणवत्ता में सुधार आ सके। इस अवसर पर हरकोफेड के सहकारी शिक्षा अधिकारी, जगदीप सिंह ने सहकारी व कृषि पर अपने विचार सांझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला युग, सहकारिता का युग होगा। इसलिए प्रत्येक प्रबंधक व सदस्यों को जागरूक होने की जरूरत है व किसानों के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर सतपाल सिंह ने केंद्र की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की व कृषि विज्ञान केंद्र के फार्म पर लगाए गए ट्रायल का अवलोकन करवाया व कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों का कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

त्योहारी सीजन की मांग पूरी करने को गति ने डिलीवरी क्षमताओं का विस्तार किया

नई दिल्ली : भारत की प्रीमियम एक्सप्रेस डिस्ट्रीब्यूशन व सप्लाई चेन मैनेजमेंट कंपनी गति एक्सप्रेस एंड सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड ने कॉमर्स डोमेन के साथ-साथ व्हाइट गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और एफएमसीजी सेगमेंट में त्योहारी सीजन के दौरान मांग में आने वाली वृद्धि को पूरा करने के लिए अपनी वेयरहाउसिंग और डिलीवरी क्षमताओं का विस्तार किया है। जीईएसपीएल ने अपनी क्षमता और दक्षता को लगातार बढ़ाया है, जिसके कारण वह पूरे साल में किसी भी समय 20 फीसदी ज्यादा कार्गो को हैंडल करने में सक्षम है। गति की उपस्थिति पूरे देश के रणनीतिक स्थानों पर है। जीईएसपीएल त्योहारी सीजन के दौरान उन क्षेत्रों में एसएमई को भौगोलिक दृष्टि से ज्यादा बड़ा बाजार बनाने में मदद करेगी। गति के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजेश गौरीनाथ ने त्योहारी सीजन की तैयारियों के बारे में कहा, हम बढ़ी त्योहारी मांग और ऑर्डर वॉल्यूम में बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए अपनी बढ़ी हुई डिलीवरी क्षमताओं के साथ पूरी तरह से तैयार हैं। हमें उम्मीद है कि साल दर साल त्योहारी मांग में 18-20 फीसदी की वृद्धि होगी। हमने त्योहारों के दौरान वॉल्यूम-बेस्ड ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स फुलफिलमेंट के लिए अपनी नेटवर्क कैपेसिटी में 20-25 फीसदी की वृद्धि की है, ताकि सीजन के पीक लोड को संभाल सकें और बेहतर डिलीवरी एफिशिएंसी तैयार कर सकें। जीईएसपीएल ऑलकार्गो ग्रुप की ताकत के साथ लॉजिस्टिक्स की हर तरह की जरूरतों के लिए इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स सर्विस ऑफर करती है और 180 देशों में परिचालन का ग्लोबल नेटवर्क मुहैया कराती है।

एंटेरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस लिमिटेड ने डीआरएचपी दाखिल किया

टीम एक्शन इंडिया/नोएडा

वित्त वर्ष 2012 में राजस्व के मामले में भारत के शीर्ष तीन हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स में से एक, एंटेरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दायर किया है। कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश में 10,000 मिलियन तक का फ्रेश इश्यू और सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 8,557,597 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। बिक्री के प्रस्ताव में प्रभात अग्रवाल द्वारा 534,082 इक्विटी शेयर, ओबीमीड एशिया ड्री मॉरीशस लिमिटेड द्वारा 7,500,000 इक्विटी शेयर, प्रेमसेठी द्वारा 353,302 इक्विटी शेयर, चेतन एम.पी. द्वारा 4,401 इक्विटी शेयर, दीपेश टी. गाला द्वारा 1,320 इक्विटी शेयर, हेमंत जोस बैरीस द्वारा 8,802 इक्विटी शेयर तक, हेमंत जग्गी द्वारा 4,401 इक्विटी शेयर तक, के.आर.वी.एस. वरप्रसाद द्वारा 2,201 इक्विटी शेयर तक, के.ई. प्रकाश द्वारा 39,610 इक्विटी शेयर तक और लवु सहदेव द्वारा 1,320 इक्विटी शेयर तक शामिल हैं।

वैश्य चेतना यात्रा का भव्य स्वागत होगाः राजीव जैन

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत,

वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा का आगामी 18 सितंबर को शहर में पहुँचने पर भव्य स्वागत किया जायेगा और वैश्य समाज राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती की पूर्व संध्या पर जींद के अर्जुन स्टेडियम में आयोजित वैश्य संकल्प रैली में बढ़ चढ़ कर भाग लेगा। यह निर्णय बुधवार रात्रि अग्रवाल सदन मंडी में हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, अग्रोहा विकास ट्रस्ट, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन, सकल जैन समाज, श्री राम मंदिर एवं अग्रवाल धर्मशाला के पदाधिकारियों की आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि जो समाज संगठित नहीं है उसका कोई बल नहीं है और जिसका कोई बल नहीं है, उनकी समस्या का कोई हल नहीं है, इसलिए 12 वर्षों बाद हो रही रैली को वैश्य समाज के महाकुम्भ में परिवर्तित कर दें। पूर्व मंत्री कविता जैन ने कहा कि जिस समाज की बेटियाँ और युवा कमान संभल लेती है वह समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ता रहता है। इससे पूर्व राजीव जैन ने गोहाना बैठक कर वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा के स्वागत की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा के स्वागत के लिए शहर में होर्डिंग, स्वागत द्वार लगाने तथा जगह जगह पुष्प वर्षा करने बारे सुझाव दिए गए। महाराजा अग्रसेन चौक मुरथल रोड पर माल्यार्पण करके यात्रा का स्वागत किया जायेगा।

बैठक में जिलाध्यक्ष नवीन मंगला, निगम पार्षद अतुल जैन, जिलाध्यक्ष संजय सिंगला, प्रदीप बंसल, पवन गुप्ता, अनिल गुप्ता, सीमा गोयल, श्वेता गर्ग, बबिता जिंदल, राजीव अग्रवाल, सुरेश जैन अधिवक्ता, सुरेश गुप्ता, अशोक गर्ग, राजेंद्र गोयल, अनिल जैन, महेंद्र जैन, राजेश गुप्ता, सुभाष गुप्ता, अजय गोयल, राम नारायण गोयल, राकेश गोयल, बाबू राम गुप्ता, नरेश जैन, नितिन जैन, जितेंद्र गुप्ता, प्रवीण गोयल, मनीष गुप्ता पहलवान, रोशन सिंगला आदि सैंकड़ों वैश्य बंधु उपस्थित रहे।

विधायक सुरेन्द्र पंवार ने मनाया भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत।

विधायक सुरेंद्र पंवार ने सेक्टर-15 स्थित निवास स्थान पर कांग्रेसजनों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिवस केक काटकर व पुनीत कार्य करके धूमधाम से मनाया। विधायक सुरेंद्र पंवार व सभी कांग्रेसजनों ने नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जन्मदिवस की बधाई दी। इसके उपरांत विधायक सुरेन्द्र पंवार ने नई दिल्ली स्थित निवास स्थान पर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को बुके भेंट कर व मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी। विधायक सुरेंद्र पंवार ने केक कटिंग सेरेमनी के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बड़ा ऐतिहासिक दिन है, आज के दिन नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्म हुआ था। नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपना सम्पूर्ण जीवन प्रदेश व देश को समर्पित किया है। आज भी वह अपने जीवन का प्रत्येक क्षण लोगों के बीच व्यतीत करते है। आज जन-जन की पसंद बने हुए है। उन्होंने कहा कि चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा का व्यक्तित्व इतना सरल व सहज है कि वह किसी को यह महसूस भी नहीं होने देते की वह इतने बड़े व्यक्तित्व के धनी है।

हमेशा बच्चो से लेकर बुजुर्गों में घुल-मिलकर रहते है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा प्रत्येक वर्ग की बुलंद आवाज है। इस दौरान पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुरेंद्र छिक्कारा, सुरेश त्यागी, सन्तोष गुलिया, कमला मलिक, युवा जिलाध्यक्ष ललित पंवार, प्रेम नारायण गुप्ता, कुलदीप देशवाल, पवन प्रधान, बंशी कुंडू, हरेंद्र, पंडित राजेन्द्र गौड़, बिन्नी भारद्वाज, डॉ राकेश, राजेन्द्र, महेंद्र, हरविंद, सियाराम आंतिल, राहुल, नीरज, आनन्द, भारत भूषण, भारत भंजन, सहित बड़ी तादाद में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

27वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन की उत्साहपूर्ण शुरूआत

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख, संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने बुधवार को कृपाल बाग, दिल्ली में 27वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। पिछले तीन दशकों से सभी धर्मों के नेताओं को एक मंच पर बिठाने वाला यह विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन शांति, आध्यात्मिकता और मानव एकता का प्रतीक है। इस वर्ष भी आध्यात्मिक रूप से विकास करने वाले इस सम्मेलन को भारी प्रशंसा मिली क्योंकि संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कई गणमान्य अतिथियों के समक्ष विनम्रता और दिव्य-प्रेम के विषय पर अपने विचार रखते हुए हजारों लोगों को संबोधित करते हुए सभी को सच्चाई और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। 13 सितंबर को सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर एक आध्यात्मिक तरही मुशायरे का आयोजन किया गया। जिसमें पूजनीय माता रीटा जी ने संत दर्शन सिंह जी महाराज द्वारा लिखित एक सुंदर गजल अपने मधुर कंठ से गाकर मुशायरे की शुरूआत की।

इस अवसर पर कई प्रसिद्ध उर्दू शायरों ने अपनी कलाम के द्वारा लोगों को आध्यात्मिकता और मानवता का संदेश दिया।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं....

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुओं के डियोडरेंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंट्स सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुकसान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंट्स त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखे लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्युमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर ह्रदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नीबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि वह सेहत के लिये हानिकारक है। डियोडरेंट अगर अल्यूमीनियम क्लोरोहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित है। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस

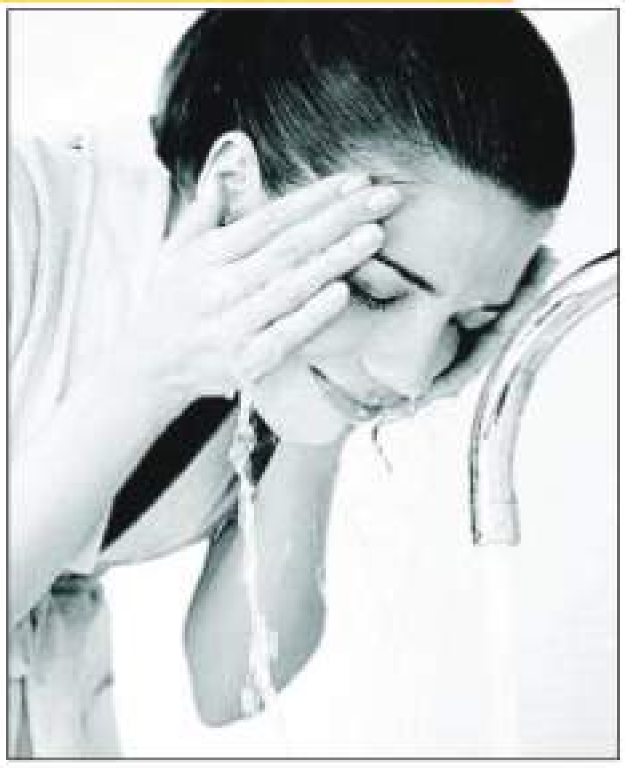

ताकि त्वचा रहे स्वस्थ

सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तित्व निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अत: हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी आनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पैर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशत: सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जाता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मैल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तकिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता है। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचाना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्चराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड़ियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड़ियां कटी फटी हों तो फौरन उपचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरुक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो ऑर्थिराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप्ड डिस्क किसी भारी चीज को उठाते समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमटोइड ऑर्थिराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएं- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटो गलिकन्स का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएं तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए ये फूड्स खाएं जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियां, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रेच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटापा कम करें- अत्यधिक वजन कमर में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्न होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएं।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठे रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएं तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खास मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम होगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ होगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्यवधानी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष से विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ होगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2947

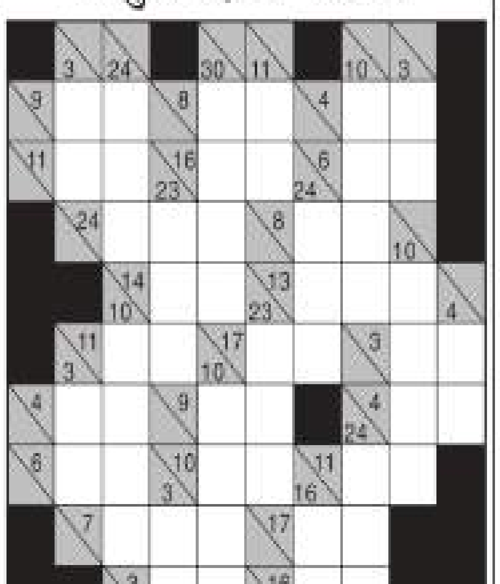

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या में मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2946 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह!' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना!''

''जी! क्या बात हो गई?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई!''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

फिल्म वर्ग पहेली- 2947

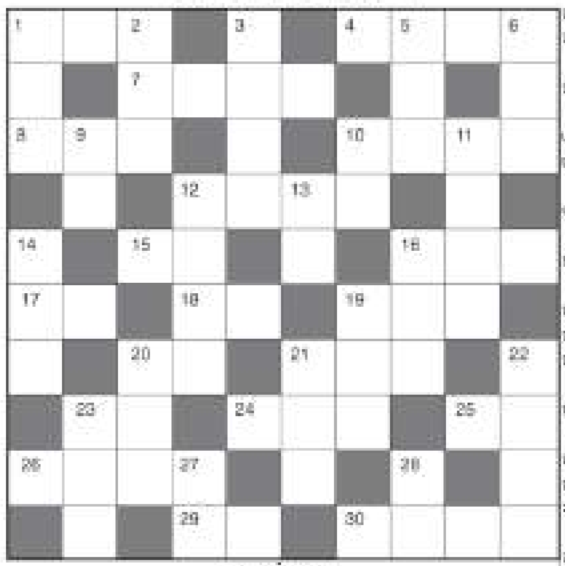

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'अल्लाह तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अभिलाष, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरे हो मैं सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१४. नाना, शाहरुख, संजय कपूर, जूहिला की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमारे दिल' गीत वाली नवीन, अमृतअमिताभ, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२७. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, सवाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'गालिब का शव है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जावेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ये कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
१२. 'जुबान भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१३. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१४. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत है दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जायें' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आंखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२५. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2946

सूडोकू -2947

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू -2946 का हल

शब्द पहेली - 2947

बाएं से दाएं

1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ-3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल (उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. देह, शिखा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ-2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

2. अधिकार-2
3. माँ का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. गुड़िया-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा,-4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी-5
21. नाच, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाण, गुलिका-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी हांकने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली -2946 का हल

पाकिस्तान एशिया कप 2023 से बाहर, अब भारत-श्रीलंका में होगा फाइनल मुकाबला

कोलंबो। श्रीलंका ने कुसल मेंडिस के 87 गेंदों में 91 तो चरिथ असलांका की जुझारू पारी की बदौलत एशिया कप 2023 के सुपर 4 के अहम मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बना ली। पाकिस्तान को फाइनल में जगह बनाने के लिए यह मैच जीतना जरूरी थी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में पाकिस्तान ने श्रीलंका के आगे 42 ओवर में 252 रन का टारगेट रखा था। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने जोरदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिला दी और पाकिस्तान को एशिया कप से बाहर कर दिया। इससे पहले बारिश के कारण मैच की शुरुआत में ही विलंब हुआ जिसके कारण इसे 45 ओवर का कर दिया गया। मैच के बीच में दोबारा बारिश आई जिससे के कारण मैच में ओवरों की संख्या फिर घटाकर 42 कर दी गई। श्रीलंका को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 252 रन का लक्ष्य मिला। रिजवान ने 73 गेंद में छह चौकों और दो छक्कों से नाबाद 86 की पारी खेलने के अलावा इफ्तिखार अहमद (47 रन, 40 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 108 रन जोड़कर पाकिस्तान को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इन दोनों की साझेदारी से पाकिस्तान अंतिम 10 ओवर में 102 रन जोड़ने में सफल रहा। शफीक ने भी शीर्ष क्रम में 69 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से 52 रन बनाए।

श्रीलंका की तरफ से मथीसा पथिराना सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 65 रन देकर तीन विकेट चटकाए। प्रमोद मदुसान ने 58 रन पर दो विकेट हासिल किए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने वाले पाकिस्तान ने पांचवें ओवर में ही फखर जमां (04) का विकेट गंवा दिया जिन्हें मदुसान ने बोल्ड किया। शफीक और कप्तान बाबर आजम (29) ने दूसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़कर

पारी को संभाला। दोनों ने 10 ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 40 रन तक पहुंचाया।

शफीक ने दुनिथ वेलालागे पर पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर मथीसा पथिराना पर चौके के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। बाबर ने श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका और पथिराना पर चौके मारे लेकिन भारत के खिलाफ पिछले मैच में पांच विकेट चटकाने वाले वेलालागे ने उन्हें विकेटकीपर कुसाल मेंडिस के हाथों स्टंप करा दिया। शफीक ने धनंजय डिसिल्वा पर छक्का और एक रन के साथ 65 गेंद में करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि अगले ओवर में पथिराना की गेंद को हवा में लहराकर डीप स्क्वायर लेग पर मदुसान को कैच दे बैठे। उन्होंने अपनी पारी में 69 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे। पथिराना ने अगले ओवर में मोहम्मद हारिस (03) को कैच लपककर 24वें ओवर में पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 108 रन किया।

ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा ने मोहम्मद नवाज (12) को बोल्ड करके पाकिस्तान को पांचवां झटका दिया। नवाज के 28वें ओवर में आउट होते ही बारिश आ गई और खेल दोबारा शुरू होने पर मैच को 42 ओवर का कर दिया गया। इफ्तिखार अहमद ने वेलालागे पर चौके के साथ 32वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। मोहम्मद रिजवान और इफ्तिखार दोनों ने अगले ओवर में मदुसान पर छक्के जड़े। रिजवान ने अगले ओवर में वेलालागे पर छक्के और चौके के साथ 48 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। रिजवान और इफ्तिखार ने अंतिम ओवरों में तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका ने पाथुम निसांका के 29 तो कुसल परेरा के 17 रनों की बदौलत सधी हुई शुरुआत की। लेकिन कुसल मेंडिस ने समरविक्रमा के साथ मिलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। समरविक्रमा ने 51 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। इसके बाद असलांका ने आकर मेंडिस का भरपूर साथ दिया।

इसी बीच मेंडिस 87 गेंदों में 8 चौके और एक छक्के की मदद से 91 रन बनाए। श्रीलंकाई पुछल्ले बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए लेकिन असलांका ने एक छोर संभाले रखा। आखिरी ओवर में श्रीलंका को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे तब असलांका ने अपना जादू चलाया और टीम को जीत दिला दी।

न्यूजीलैंड को उम्मीद- चोटिल मिचेल सैंटनर विश्व कप के लिए समय पर फिट हो जाएंगे

नई दिल्ली। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 से पहले न्यूजीलैंड अपने प्रमुख गेंदबाजों में से एक मिचेल सैंटनर की फिटनेस को लेकर आश्वस्त है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड का मानना है कि मिचेल सैंटनर फिट हो जाएंगे और विश्व कप की शुरुआत के लिए उपलब्ध रहेंगे। साउथैम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में क्षेत्ररक्षण करते समय सैंटनर के घुटने में चोट लग गई थी। परिणामस्वरूप वह बुधवार को ओवल में खेले गए तीसरे वनडे मैच में नहीं खेल पाए। इस मैच में रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स ने स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाली और दोनों संघर्ष करते दिखे। दोनों ने मिलकर कुल 10 ओवर किए, जिसमें उन्होंने 85 रन देकर मात्र 1 विकेट लिया। न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर ईश सोढ़ी को क्रिकेट विश्व कप से पहले आराम दिया जा रहा है। ऐसे में एक पूर्णकालिक स्पिनर की अनुपस्थिति न्यूजीलैंड के लिए चिंता का विषय बन गई है। हालांकि फिर भी न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड सैंटनर की उपलब्धता को लेकर आश्वस्त हैं। स्टीड ने एक बयान में कहा कि मिच के घुटने का पूरा स्कैन हुआ था। उन्होंने कहा कि उसके घुटने के आसपास अभी भी सूजन है, जिसे वे संयुक्त समस्या मानते हैं। यह उससे अधिक कुछ नहीं है। जहां सैंटनर की अनुपस्थिति चिंता का विषय है, वहीं स्टीड मुख्य तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की वापसी से खुश हैं। तेज गेंदबाज ने इस दौरे पर अपने दो मैचों में आठ विकेट लिए हैं। स्टीड ने कहा कि ट्रेंट का वापस आना बहुत अच्छा है। वह हमारे लिए बहुत सारी ऊर्जा और बहुत सारा कौशल लेकर आता है। उन्होंने जो दो मैच खेले हैं, उनमें उन्होंने एक विश्वस्तरीय खिलाड़ी के रूप में इंग्लैंड को पछाड़ने की अपनी क्षमता दिखाई है।

नेहा त्रिपाठी को दो शॉट की बढ़त

गुड़गांव। नेहा त्रिपाठी ने दूसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 12वें चरण में दो शॉट की बढ़त बना ली। पहले दौर में 68 का कार्ड खेलने वाली नेहा का कुल स्कोर नौ अंडर 135 है। रिया यादव दूसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से कुल सात अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर चल रही हैं।

अस्मिता सतीश (71 और 70) और गौरिका बिश्नोई (69-72) तीन अंडर 141 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। रिद्धिमा दिलावरी दो अंडर 142 के स्कोर से पांचवें स्थान पर चल रही हैं।

एशियन जूनियर शतरंज-भारत के पास दोहरा स्वर्ण जीतने का मौका

जमशेदपुर। टाटा स्टील एशियन जूनियर शतरंज चैंपियनशिप अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच गयी है और अगर सब ठीक रहा है तो भारत बालक और बालिका दोनों ही वर्गों मे स्वर्ण पदक हासिल कर सकता है । बालिका वर्ग मे आज आठवे राउंड में भारत की

तेजस्विनी जी नें हमवतन ब्रिसटी मुखर्जी को पराजित करते हुए 7 अंको के साथ एकल बढ़त हासिल कर ली है उनके बाद 6 अंको पर दूसरे स्थान पर काबिज तीन खिलाड़ियों में कज़ाकिस्तान की नूरगाली नजेरके और भारत की अक्षया मोनिका , ब्रिसटी मुखर्जी है। अंतिम राउंड में मोनिका और तेजस्विनी का मुक़ाबला होगा जबकि ब्रिसटी से नूरगाली टक्कर लेंगी और ड्रॉ करने पर भी तेजस्विनी स्वर्ण पदक जीत सकती है जबकि उनके हारने पर मोनिका के हाथ स्वर्ण आ सकता है । बालक वर्ग में आज भारत के आयुष शर्मा नें इंडोनेशिया के गिल्बर्ट तारीगान को मात देते हुए 6 अंक बनाकर एक बार फिर सयुंक्त बढ़त बना ली है ,आयुष के साथ हमवतन रोहित कृष्णन , आसवथ आर और रूस के ग्रेबनेव आलेक्से भी 6 अंक बनाकर खेल रहे है और ऐसे में कल जब आयुष से रोहित पहले बोर्ड पर मुक़ाबला खेलेंगे तो एक और स्वर्ण की संभावना यहाँ भी बनती नजर आती है ।

भारत की एशियाई खेलों के प्रतिभागियों की सूची में 22 नए एथलीट हुए शामिल

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय दल की एक संशोधित सूची साझा की, जिसमें 22 नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया और 25 प्रतिस्थापनों के नाम शामिल किए गए, जिनमें एथलीट, कोच और सहायक कर्मचारी शामिल हैं।

आधुनिक पेंटाथलॉन को भी सूची में जोड़ा गया है, इस प्रकार शोपीस में कुल 39 खेल विधाओं में भारत की भागीदारी हुई है।

23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक हांग्झू, चीन में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारत में 260 कोचों और सहायक कर्मचारियों के साथ कुल 655 एथलीट होंगे। प्रतियोगिता में देश की तरफ से 921 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है।निशानेबाजी में भारत ने मनीषा कीर, प्रीति रजक और अंगद वीर सिंह बाजवा को टीम में शामिल किया है, जबकि एथलेटिक्स में अमलान बोरगोहेन, प्रीति और प्राची को टीम में शामिल किया गया है।

जू-जित्सु खेल में अन्वेषा देब, निकिता चौधरी, उमा महेश्वर, कमल सिंह और तरूण यादव शामिल हुए हैं। जान्हवी चौधरी को एथलेटिक्स में, सूरज यादव को वुशु में जोड़ा गया है, जबकि मयंक चाफेकर आधुनिक पेंटाथलॉन में एकमात्र एथलीट होंगे। विशाल रुहिल, केशव, सुचिका तरियाल और ज्योति टोकस कुराश में चार अतिरिक्त खिलाड़ी हैं, जबकि पुरुषों की टीम परस्यूट साइक्लिंग में वेंकप्पा शिवप्पा केंगलगुट्टी, नीरज कुमार, मंजीत कुमार और दिनेश कुमार के रूप में चार और एथलीट होंगे।

जसप्रीत बुमराह की वापसी से तेज गेंदबाजी यूनिट मजबूत हुई : पारस म्हाम्ब्रे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह की वापसी से उनकी तेज गेंदबाजी यूनिट मजबूत हुई है।

भारतीय टीम एशिया कप 2023 के फाइनल में पहुंच चुकी है। भारतीय टीम ने सुपर-4 में पहले पाकिस्तान को 228 रनों के बड़े अंतर से शिकस्त दी। इसके बाद श्रीलंका टीम को 41 रन से हराया। इस तरह भारतीय टीम 4 प्वॉइंट्स के साथ फाइनल में पहुंच चुकी है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। हालांकि इससे पहले भारतीय टीम को शुक्रवार को सुपर-4 में अपना आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। मुकाबले से पहले गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि जसप्रीत बुमराह ने हाल के आयरलैंड दौरे पर लंबे समय

बाद चोट के बाद शानदार वापसी की। इसके बाद मौजूदा एशिया कप में भी उन्होंने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले पूरी तरह से फिट चार तेज गेंदबाजों का होना टीम के लिए शानदार है। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास चार बेहतरीन गेंदबाज हैं और ऐसे विकल्प होना हमेशा ही अच्छा होता है। कोच म्हाम्ब्रे ने तेज गेंदबाजी आक्रमण में पहली पसंद बुमराह, मोहम्मद सिराज और हार्दिक पांड्या को बताया। उन्होंने कहा कि पहली पसंद का तेज गेंदबाजी आक्रमण जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और हार्दिक पांड्या का है। इस कारण टीम प्रबंधन को मोहम्मद शमी को बेंच पर बिठाने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। कोच ने कहा कि शमी जैसे गेंदबाज को बाहर रखना इतना आसान नहीं है। उनसे देश के लिए जो प्रदर्शन किये हैं, वे शानदार है। गेंदबाजी कोच ने कहा कि यह मुश्किल होता है लेकिन हम जो फैसले लेते है उससे संबंधित खिलाड़ी को स्पष्ट रूप से बता दिया जाता है। इसी के साथ उन्होंने हार्दिक पांड्या की भी तारीफ की।

बाबर ने दिया संकेत, विश्व कप के शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं नसीम शाह

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने संभावना जताई है कि तेज गेंदबाज नसीम शाह भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप में पाकिस्तान के शुरुआती मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने नसीम के दाहिनी कंधे की चोट से उबरने के लिए कोई समयसीमा सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बाबर इस बात को लेकर अनिश्चित दिखे कि नसीम अगले महीने टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले फिट हो पाएंगे या नहीं। हालांकि इस बात की उम्मीद है कि हारिस रऊफ विश्व कप की शुरुआत तक फिट हो जाएंगे; पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर उन्हें एशिया कप से बाहर भी नहीं

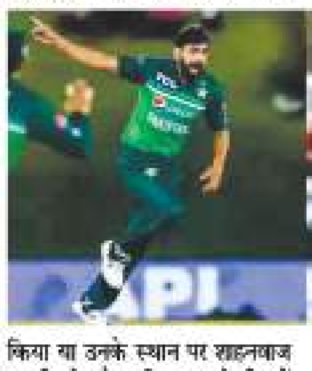

किया या उनके स्थान पर शाहनवाज दहानी को औपचारिक रूप से टीम में शामिल भी नहीं किया था। श्रीलंका के खिलाफ अखिरी गेंद तक चले मैच में मिली हार के बाद पाकिस्तान एशिया कप से बाहर हो गया है। मैच के बाद पत्रकारों से बातचीत में बाबर रऊफ की संभावनाओं के बारे में आश्वस्त थे, जबकि नसीम की पूर्ण विश्व कप उपलब्धता पर गोलमोल जवाब दे रहे थे। जब पूछा गया कि नसीम और रऊफ के चूक जाने पर पाकिस्तान के पास क्या योजनाएं थीं, तो बाबर बैक-अप योजनाओं के बारे में चिंतित थे, लेकिन उन्होंने दोनों की संभावनाओं पर विस्तार से बात किया। उन्होंने कहा, मैं आपको बाद में बताऊंगा। अभी आपको अपना प्लान बी नहीं बता रहा हूं। लेकिन हां, हारिस रऊफ बुरे नहीं है। उन्हें बस थोड़ा सा साइड स्ट्रेन है, लेकिन वह विश्व कप से पहले ठीक हो रहे हैं। नसीम शाह भी... उन्होंने कुछ मैच मिस किए हैं , मुझे नहीं पता कि रिकवरी कब तक होगी, लेकिन मेरी राय में, नसीम शाह भी विश्व कप के बाद के मैचों के लिए विश्व कप में होंगे।

टेनिस : डोपिंग के कारण सिमोना हालेप पर लगा 4 साल का प्रतिबंध

ला पीएजेड। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने कहा कि पूर्व विश्व नंबर एक सिमोना हालेप को दो डोपिंग अपराधों के लिए टेनिस से 4 साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। 31 वर्षीय रोमानियाई खिलाड़ी को 2022 यूएस ओपन में रॉक्सडस्टैट से पॉजीटिव पाया गया था। इस कारण उन्हें पिछले साल अक्टूबर से अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया था। मई में दो बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन पर एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट (एबीपी) में अनियमितताओं संबंधित रिपोर्ट बनी थी जोकि जांच में सही पाई गई। हालेप अब 6 अक्टूबर 2026 तक पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगी। वहीं, आईटीआईए के बयान जारी होने के बाद हालेप ने घोषणा की कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। उन्होंने कहा- टेनिस एंटी-डोपिंग कार्यक्रम के तहत एक न्यायाधिकरण ने मेरे मामले में एक अस्थाई निर्णय की घोषणा की। पिछला साल मेरे जीवन के लिए सबसे कठिन रहा। मेरी लड़ाई जारी है। मैंने अपना जीवन टेनिस के खूबसूरत खेल को समर्पित किया है। मैं हमारे खेल को नियंत्रित करने वाले नियमों को बहुत गंभीरता से लेती हूं और इस तथ्य पर गर्व करती हूं कि मैंने कभी भी जानबूझकर किसी भी प्रतिबंधित पदार्थ का उपयोग नहीं किया है। मैंने 4 के उनके फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। मैं खेल पंचाट न्यायालय में अपील करूंगी।

मुझे पता था कि मैं विश्वकप खेलूंगा : बेन स्टोक्स

नई दिल्ली।इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का कहना है कि उन्हें पता था कि वे विश्व कप खेलेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए उन्हें वनडे क्रिकेट से घोषित संन्यास से वापस आना पड़ेगा।

स्टोक्स ने पिछले साल वनडे क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। वह टेस्ट में इंग्लैंड टीम के कप्तान हैं और टी20 क्रिकेट भी खेलते हैं। इस साल होने वाले विश्व कप से पहले उन्होंने संन्यास वापस लिया और टीम में वापसी की। उन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध चल रही वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। सीरीज के तीसरे मैच में स्टोक्स ने 124 गेंदों पर 182 रनों की शानदार पारी खेली। मैच के बाद स्टोक्स ने कहा कि जाहिर सी बात है कि मुझसे मेरे घुटने पर कई सवाल पूछे गए हैं। मैंने बस इन बातों को

टालने के लिए कहा। मुझे वास्तव में पता था कि मैं यह मैच और संभवतः विश्व कप भी खेलूंगा। मैं मीडिया को शांत करने के लिए ऐसी बातें कर रहा था।

स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में 182 रनों की रिकॉर्डतोड़ पारी खेली। इस पारी से उन्होंने जेसन रॉय के नाम इंग्लैंड के लिए वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। रॉय ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 151 गेंद में 180 रन बनाए थे। स्टोक्स ने कहा कि मुझे इस (रिकॉर्ड स्कोर) बारे में तब पता लगा जब स्टेडियम में किसी ने इस बात की घोषणा की। इसके बाद मैं अगली गेंद पर आउट हो गया। स्टोक्स जब मैदान पर उतरे थे तब इंग्लैंड ने 13 पर दो विकेट गंवा दिए थे। उन्होंने कहा कि हम जल्दी विकेट खो चुके थे और हम विपक्ष पर दबाव बनाना चाहते थे। मैंने देखा कि अभी 23-24 ओवर बचे हैं, तो मैंने खुद को थोड़ा रोका। उन्होंने कहा कि इस पारी के दौरान मैंने यही सीखा कि आपके पास कितना समय रहता है। कुछ ऐसे पड़ाव थे जहां मैं आसानी से रन बना रहा था, लेकिन वहीं मुझे लंबा खेलने का मन भी था। यह मेरे लिए बड़ी बात थी।

पृथ्वी शॉ की बढ़ी मुश्किलें, चोट के चलते क्रिकेट से महीनों रहना पड़ सकता है दूर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी पृथ्वी शॉ को लेकर बड़ी खबर है। वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। पृथ्वी शॉ चोटिल हैं। पृथ्वी के घुटने में चोट लगी है। इससे उन्हें अब लंबे वक्त तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ सकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की खबर के मुताबिक घुटने की चोट के चलते भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को कम से कम तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ सकता है। वह एक अक्टूबर से ईरानी कप के साथ शुरू होने वाले घरेलू क्रिकेट सीजन का अधिकांश हिस्सा मिस कर सकते हैं। शॉ को यह चोट इंग्लैंड के डोमेस्टिक क्रिकेट में नॉर्थम्पटनशायर के लिए डरहम के खिलाफ मैच खेलते हुए लगी है। मैच के बाद स्कैन करते हुए पता

चला कि चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। पृथ्वी को तीन-चार महीनों के लिए क्रिकेट से दूर होना पड़ सकता है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि वह शॉ के चोट से उबरने का इंतजार करेंगे और एनसीए से इस बारे में लगातार बात करेंगे कि क्या वह जनवरी से रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम के लिए उपलब्ध हो सकते हैं या नहीं। उल्लेखनीय है कि पृथ्वी शॉ लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। वह भारतीय टीम में अपनी जगह नहीं बना पा रहे हैं। पृथ्वी शॉ इस दौरान घरेलू क्रिकेट में ही खेलते नजर आए। वहीं वह इंग्लैंड के डोमेस्टिक क्रिकेट में नॉर्थम्पटनशायर की ओर से खेल रहे थे। पृथ्वी शॉ भारतीय क्रिकेट टीम से 2021 से दूर चल रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए आखिरी मैच श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2021 में खेला था। पृथ्वी शॉ भारतीय टीम के लिए 5 टेस्ट मैचों में 339 रन बना चुके हैं। साथ ही 6 वनडे मैच और एक टी-20 मैच खेला है। उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों की 78 पारियों में 3802 रन बनाए हैं। इस दौरान 12 शतक और 16 अर्धशतक लगाए हैं। वे लिस्ट ए के 57 मैचों में 3056 रन बनाए हैं।

यह कुछ ऐसा है जिसे जीवन भर संजोकर रखूंगा : किशन पाठक

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 में सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने के मौके के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने 19वें एशियाई खेलों हांगझोऊ अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगी। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले, भारतीय टीम के गोलकीपर कृष्ण बी पाठक ने गुरुवार को टीम में अपने चयन के बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। अगर मैं अपनी यात्रा पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने और अपना दूसरा एशियाई खेल खेलने का अवसर मिलेगा। यह ऐसी चीज़ है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा। हम इसे मैच दर मैच लेंगे और किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अच्छा चल रहा है, सभी खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। अभ्यास पिच पर हम हर दिन कसरत करते हैं। इसके अलावा, हमने डेनिस के साथ 4-5 गोलकीपिंग सत्र किए हैं और आने वाले दिनों में कुछ और सत्र होंगे। हम फिर से बुनियादी बातों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, पिछले टूर्नामेंटों में हमने जो गलतियाँ कीं और अन्य बातों के अलावा त्वरित निर्णय लेने में सुधार कैसे किया जाए, इस पर ध्यान केंद्रित किया है।

भारतीय खिलाडी ने कहा कि 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 से पहले हमारे पास खेलों का अच्छा प्रदर्शन है। हमने कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेला है, इसलिए इससे हमें यह पहचानने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी कि हमारे मजबूत और कमजोर बिंदु क्या हैं। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छे प्रदर्शन से खिलाड़ियों को भी आत्मविश्वास मिलेगा। हम आगे जाकर गलतियों को दोहराना नहीं चाहते हैं।

भारतीय गोलकीपर श्रीजेश के साथ काम करने पर पाठक कहते हैं- हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। वह टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं और जब भी मुझे संदेह होता है, तो मैं उनके पास जाता हूं और मामले पर उनकी सलाह लेता हूं। पिछले दो दशकों में उनके खेलने के अनुभव ने निश्चित रूप से मेरी बहुत मदद की।

पंजाब में जन्मे खिलाड़ी भारत के पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप 2016 की ओर से उभरने वाले सबसे प्रतिभाशाली गोलकीपरों में से एक हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड में 4 देशों के आमंत्रण टूर्नामेंट 2018 में सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया। वह 18वें एशियाई खेलों जकार्ता-पालेमबांग कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा थे और उन्होंने पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता के रूप में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी मस्कट 2018 जीती थी।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

फास्ट न्यूज

तेलंगाना सहित पांच चुनावी राज्यों में सरकार बनाएगी कांग्रेस: वेणुगोपाल

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी और सरकार बनाएगी। वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तेलंगाना और मिजोरम में इस वर्ष होने वाले चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों पर चर्चा के लिए कांग्रेस वर्किंग कमेटी की तीन दिवसीय बैठक हैदराबाद में कल से शुरू होगी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बैठक में हिस्सा लेंगे।

शिक्षा के अधिकार कानून का लाभ नहीं मिलने पर शरणार्थी छात्र पहुंचे हाई कोर्ट

नई दिल्ली: दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों में पढ़ने वाले 46 शरणार्थी अफगानी छात्रों ने शिक्षा के अधिकार कानून के तहत लाभ नहीं मिलने पर दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट इस याचिका पर 18 सितंबर को सुनवाई करेगा। अफगानी छात्रों की ओर से सोशल जूरिस्ट नामक संगठन ने याचिका दायर की है।

वकील अशोक अग्रवाल की ओर से दाखिल इस याचिका में कहा गया है कि शिक्षा के अधिकार के तहत उन्हें यूनिफॉर्म, स्कॉलरशिप इत्यादि इस आधार पर नहीं दिए जाते हैं कि उनका बैंक खाता नहीं है।

निपाह: वैक्सीन के लिए शोध शुरू हुआ

लोगों को अच्छी तरह हाथ धोने, मास्क पहनने की सलाह के साथ-साथ संदिग्ध मरीज से दूर रहने की सलाह दी गई

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
देश में एक बार फिर निपाह वायरस का खतरा बढ़ रहा है। अब तक छह लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जिसमें से दो लोगों की मौत हो चुकी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ राजीव बहल ने कहा कि कोरोना के मुकाबले निपाह वायरस 40-70 फीसदी तक ज्यादा जानलेवा है। हालांकि निपाह वायरस के संक्रमण की रफ्तार कोरोना वायरस की तुलना में काफी कम होती है। यह केवल तभी फैल सकता है जब कोई संक्रमित मरीज के संपर्क में आएं। शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने बताया कि अभी संस्थान के पास सिर्फ 10 मरीजों के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडी उपलब्ध

है। सरकार ने मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 डोज और मंगवाई है। मरीज को वैक्सीन की डोज संक्रमण के शुरूआती समय में दी जाती है। मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कितनी सटीक है, इसे लेकर परीक्षण चल रहा है।

सावधानी बरतने से ही बचाव: डॉ. बहल ने बताया कि लोगों को निपाह वायरस के संक्रमण से बचने के लिए जागरुक किया जा रहा है। इसके लिए बचाव के तरीकों को लोगों को बताया जा रहा है। इनमें लोगों को अच्छी तरह हाथ धोने, मास्क पहनने की सलाह दी गई है। साथ ही संदिग्ध मरीज से दूर रहने की सलाह दी गई है क्योंकि अभी तक जो मामले सामने आए हैं, वो सभी मरीज के संपर्क में आने से संक्रमित हुए। जिन जगहों पर निपाह वायरस से संक्रमित मरीज मिले हैं, उन्हें क्वारंटीन कर दिया गया है। डॉ. राजीव बहल ने बताया कि संक्रामक बीमारियों के लिए 12 अहम बिंदुओं की पहचान की गई है।

मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 और खुराक खरीदेगा भारत

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
देश में निपाह वायरस के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। वहीं, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भी इसको लेकर सतर्क हो गया है। आईसीएमआर के महानिदेशक डां. राजीव बहल ने निपाह वायरस को कोरोना से भी अधिक जानलेवा करार दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना से मरने वालों का दर सिर्फ दो से तीन प्रतिशत ही थी, लेकिन निपाह वायरस से मरने वालों का आंकड़ा 40-70 प्रतिशत का है। उन्होंने कहा कि भारत में निपाह वायरस के संक्रमण को फैलने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। राजीव बहल ने बताया कि साल 2018 में भारत को ऑस्ट्रेलिया से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की कुछ

जानलेवा

महानिदेशक डां. राजीव बहल ने निपाह वायरस को कोरोना से भी अधिक जानलेवा करार दिया

खुराकें मिली थी। हालांकि, अभी 10 मरीजों के लिए इसकी खुराक उपलब्ध है।

उन्होंने आगे बताया कि भारत निपाह वायरस संक्रमण के इलाज के लिए ऑस्ट्रेलिया से इसकी 20 और खुराक खरीदेगा। उन्होंने बताया कि भारत में अभी तक किसी को भी इसकी खुराक नहीं दी गई है। राजीव बहल के मुताबिक, इसकी दवा मरीजों को प्रारंभिक चरण के दौरान दिए जाने की जरूरत होती है। उन्होंने बताया कि केरल में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी तरह के उपाय किए जा रहे हैं। केरल में इसके मामले सामने आने के एक सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके मामले यहां क्यों आ रहे हैं हम नहीं जानते हैं।

मालूम हो कि केरल में इसके सक्रिय मामलों की संख्या चार हो गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने उन सभी लोगों का परीक्षण करने का निर्णय लिया है, जो संक्रमित व्यक्तियों की संपर्क सूची में हैं। टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उसमें निपाह वायरस की पुष्टि हुई, जिससे राज्य में कुल संक्रमित लोगों की संख्या छह हो गई, जिनमें से दो की पहले ही मौत हो चुकी है।

जिंदल स्टील प्लांट में मजदूर की मौत पर नोटिस जारी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने छत्तीसगढ़ में अगस्त महीने में रायगढ़ जिले के जिंदल स्टील प्लांट में गर्म लावा से एक मजदूर की मौत पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जिंदल स्टील को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एनजीटी चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले को भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच को ट्रांसफर करने का आदेश दिया। एनजीटी ने एक न्यूज एजेंसी की ओर से छपी खबर पर संज्ञान लेते हुए ये आदेश जारी किया। 22 अगस्त को छपी खबर के मुताबिक रायगढ़ जिले के जिंदल स्टील प्लांट में एक मजदूर की गर्म लावा के निस्तारण के दौरान उसकी चपेट में आने से मौत हो गई थी। इस मामले में छत्तीसगढ़ राज्य पर्यावरण संरक्षण बोर्ड ने अपना जवाब दिया लेकिन जवाब में लावा के निस्तारण के बिंदु को छुआ तक नहीं गया। एनजीटी ने आदेश दिया कि लावा को स्टील उद्योग में लावा के निस्तारण को लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशानिर्देशों का पालन किया गया है कि नहीं, ये देखा जाए।

किसी के निजी संपत्ति के अधिकार जनहित से ऊपर नहीं हो सकते: हाईकोर्ट

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के मार्ग पर पड़ने वाले एक इलाके के निवासियों की याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि किसी के निजी संपत्ति के अधिकार जनहित से ऊपर नहीं हो सकते हैं। याचिका सिद्धार्थ एक्सटेंशन रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और सीनियर सिटिजंस वेलफेयर फोरम

खारिज

याचिका सिद्धार्थ एक्सटेंशन रेजिडेंट एसोसिएशन और सीनियर सिटिजंस फोरम ने दायर की थी

ने दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि इसके शुरूआती प्रोजेक्ट में सिद्धार्थ एक्सटेंशन को शामिल नहीं किया गया था, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने मनमाने तरीके से सिद्धार्थ एक्सटेंशन को डक्ट के जरिये शामिल कर दिया। याचिका में कहा गया था कि एनसीआरटीसी को शुरूआती रूट प्लान बदलने का फैसला मनमाना था। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 300ए का उल्लेख करते हुए कहा गया था कि उनका अपनी संपत्तियों पर संरक्षित कानूनी अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को 2019 में केंद्र सरकार ने 30,270 करोड़ की लागत के

सशस्त्र बलों के लिए 45 हजार करोड़ मंजूर

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के मकसद से रक्षा अधिग्रहण परिषद ने शुक्रवार को सशस्त्र बलों के लिए 45 हजार करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। इसमें वायु सेना के लिए 12 सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान और कम दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल 'ध्रुवास्त्र', सेना के लिए हल्के बख्तरबंद बहुउद्देशीय वाहन और नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के सर्वेक्षण जहाजों की खरीद की जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में नौ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए एओएन को मंजूरी दी गई है। चूंकि, रक्षा मंत्रालय अपनी स्वदेशीकरण महत्वाकांक्षाओं को उन्नत करने की योजना बना रहा है, इसलिए मंजूर की गईं परियोजनाओं में न्यूनतम 60-65% स्वदेशी सामग्री का लक्ष्य रखा गया है। इसलिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए डीएसी ने सशस्त्र बलों के लिए 45 हजार करोड़ रुपये के नौ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए एओएन को मंजूरी दी है।

'चौपट सरकार ने सब चौपट कर दिया, आज मध्य प्रदेश बना भ्रष्टाचार प्रदेश'

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शुक्रवार को अशोकनगर में कांग्रेस की विशाल जन सभा में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश की तस्वीर आपके सामने है, चौपट सरकार ने प्रदेश को चौपट कर दिया है, चौपट रोजगार व्यवस्था, चौपट भर्ती व्यवस्था, चौपट कृषि व्यवस्था, चौपट शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों में शिक्षक नहीं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं। मध्य प्रदेश आज भ्रष्टाचार प्रदेश बन गया है। अगर आपके पास 50 एकड़ जमीन है तो पैसे दो और गरीबी रेखा के नीचे अपना नाम लिखवा लो, यह आज हमारे प्रदेश की स्थिति है। कमलनाथ ने भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार पर हमला बोलते हुए कहा कि 50 प्रतिशत कमीशन की सरकार प्रदेश में चल रही है। इस सरकार ने अब

तक 3 लाख 30 हजार करोड़ रुपये का कर्जा लिया है, लेकिन इस कर्जे से किसको फायदा हुआ? क्या हमारे नौजवानों का फायदा हुआ, क्या हमारे संविदा कर्मचारियों, अतिथि शिक्षकों, आशा, उषा बहनों को फायदा हुआ? भाजपा सरकार ने इस कर्ज से बड़े-बड़े ठेके दिए और एडवांस में अपना 50 प्रतिशत कमिशन लिया। 50 प्रतिशत कमीशन की ये सरकार पूरे प्रदेश के सामने है। इस सरकार में कितने घोटाले आपके सामने है, इस सरकार ने तो इंसान ही नहीं घोटाला करने में महाकाल को भी नहीं छोड़ा है। कमलनाथ ने कहा कि मैं तो शिवराज सिंह जी से पूछता चाहता हूं कि जो यह जन आशीर्वाद यात्रा निकाल रहे हैं, आपने इन 18 सालों में प्रदेश की जनता को क्या दिया, हिसाब जनता को दीजिए। आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को बहुत सारी बात याद आ रही है, वे अपना पाप धोना चाहते हैं, इसलिए अब उनकी झूठी घोषणाओं की मशीन डबल स्पीड से चलने लगी है।

84 उत्कृष्ट कलाकारों को उपराष्ट्रपति आज करेंगे सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के 84 उत्कृष्ट कलाकारों को शनिवार को संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदान करेंगे।

विज्ञान भवन में आयोजित होने वाले इस सम्मान कार्यक्रम में कानून और न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति एवं संसदीय कार्य अर्जुन राम मेघवाल और संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी भी मौजूद रहेंगी। शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा ने कहा कि संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदर्शन कला के क्षेत्र में प्रदर्शन करने वाले कलाकारों के साथ-साथ शिक्षकों और विद्वानों को दिया जाने वाला एक राष्ट्रीय सम्मान है। पुरस्कार विजेताओं का चयन अकादमी की सामान्य परिषद द्वारा किया जाता है।

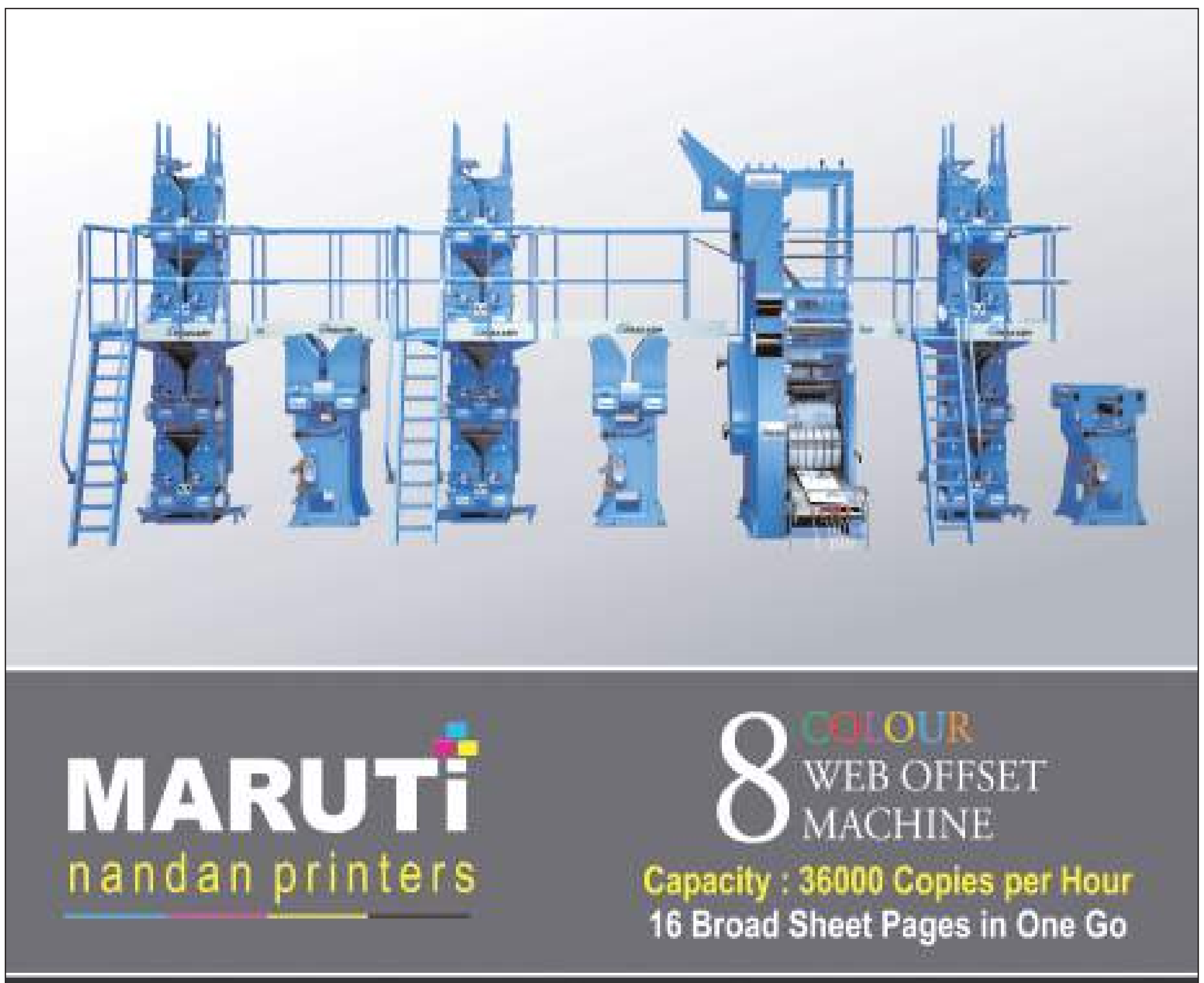

सौगात **पूर्व मध्य रेलवे को सौंपी गई इन ट्रेनों में से एक ट्रेन में से एक पटना-हावड़ा मार्ग के बीच चलाई जा सकती है**

फिर पटरियों पर उतरेगी एक साथ नौ वंदे भारत ट्रेन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
देश के कई राज्यों को एक बार फिर से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है। अबकी बार इन ट्रेनों की सौगात चुनावी राज्य मध्य प्रदेश-राजस्थान के अलावा ओडिशा को भी मिल सकती है। रेलवे के सूत्रों ने बताया कि, वंदे भारत ट्रेन बनाने वाली चेन्नई के इंटीग्रल कोच में फैक्ट्री में कम से कम नौ ट्रेन बनकर तैयार है। इन नौ ट्रेनों में से सबसे ज्यादा तीन ट्रेन दक्षिण रेलवे को अलॉट की गई हैं। इतनी ही ट्रेनें पहले से ही इस जोन में चल रही है। रेलवे के सूत्रों का कहना है कि इन नौ ट्रेनों की शुरू होने की तारीखों की घोषणा पर रेलवे अभी विचार कर रहा है। मंत्रालय एक बड़े आयोजन की तैयारी कर रहा है। इसमें पीएम भी शामिल हो सकते हैं। रेलवे एक भव्य आयोजन के जरिए सभी ट्रेनों को एक साथ शुरू कर सकता है। आखिरी बार 7 जुलाई को गोरखपुर से लखनऊ के बीच

वंदे भारत ट्रेन लांच की गई थी। बीते करीब दो माह से एक भी नई वंदे भारत ट्रेन नहीं शुरू हुई है।

नई ट्रेनों को इन रूटों पर किया जा सकता है शुरू
रेलवे ने भले ही अभी रुट की घोषणा नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि, इनमें से दो ट्रेने जयपुर-इंदौर और जयपुर-उदयपुर से हो सकती है। जयपुर इंदौर वंदे भारत ट्रेन नीमच के रास्ते होकर गुजरेगी। ये दोनों ट्रेनों की मिलने की उम्मीद इसलिए भी है कि क्योंकि इन दोनों राज्यों में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है।

पिछले दिनों ही केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उदयपुर,नीमच और इंदौर के रेलवे स्टेशनों का दौरा किया था। इसके अलावा ईस्ट कोस्ट रेलवे को आवंटित एक ट्रेन ओडिशा के

अलॉट

वंदे भारत ट्रेन बनाने वाली चेन्नई के इंटीग्रल कोच में फैक्ट्री में कम से कम नौ ट्रेन बनकर तैयार है।

पुरी और राउरकेला में चलने की संभावना है। ओडिशा की पहली वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन के दौरान ही रेलमंत्री वैष्णव ने कहा था कि जल्द ही एक ट्रेन राउरकेला को भी मिलेगी। ओडिशा में भी 2024 में विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में केंद्र सरकार ओडिशा को इस ट्रेन की सौगात देने जा रही है। जबकि पूर्व मध्य रेलवे को सौंपी गई इन ट्रेनों में से एक ट्रेन में से एक पटना-हावड़ा मार्ग के बीच चलाई जा सकती है। हाल ही में इस रूट पर ट्रायल जामताड़ा और आसनसोल में स्टॉपेज के साथ किया गया है।